लखनऊ

शनिवार, 11 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 227

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"मेहनत की आदत डाल लो, किस्मत खुद एक दिन आपको सलाम करने आएगी।"

TODAY WEATHER

DAY 28° Hi | NIGHT 17° Low

संक्षेप

सड़क पर खड़ी कार को तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, 2 महिलाओं की मौके पर मौत; चार घायल

सोनीपत। सोनीपत नेशनल हाईवे 44 पर आज तड़के तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर खड़ी कार को टक्कर मार दी। कार में सवार दो सगी बहनो मंदीप कौर,मनप्रीत कौर की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राई के पास गोल्डन हट ढाबे के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर खड़ी गाड़ी को टक्कर मार दी। इसमें दिल्ली के तिलक नगर की मनदीप कौर व पंजाब के अमृतसर की मनप्रीत कौर की मौके पर मौत हो गई। वे अपने बेटे की जन्मदिन की पार्टी करने के लिए अपनी बहन व जीजा के साथ मुरथल आ रहे थे।इसी बीच राई के पास सड़क किनारे एक शॉप पर कुछ सामना लेने के लिए कार को रोका।इसी बीच तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी।बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार ट्रक कार को करीब 200 मीटर तक घसीटते हुए ले गया।इस दर्दनाक हादसे में मनदीप ओर मनप्रीत कौर की मौके पर मौत हो गई।जबकि चार कार सवार घायल हो गए।उनकी पहचान अभी नहीं हुई है।हादसे के बाद घायलों को राई थाना पुलिस ने सूचना मिलने पर ईलाज के लिए अस्पताल भर्ती करवाया गया है ओर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया।

यमुना नदी में नाव पलटने से मचा कोहराम, 9 श्रद्धालुओं की मौत, कई लापता

वृंदावन। वृंदावन में यमुना नदी में एक नाव पलटने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग लापता हो गए। यह घटना वृंदावन कोतवाली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई। नाव में लगभग 25 लोग सवार थे। श्रृंगार घाट के पास हुई इस दुर्घटना में कई लोगों के डूबने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और गोताखोरों की सहायता से राहत एवं बचाव अभियान जारी है। दुर्घटनास्थल पर गोताखोर और स्थानीय पुलिस मौजूद हैं। इस दुर्घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। यह घटना श्रृंगार घाट के पास घटी, जहां स्टीमर अचानक अपना संतुलन खो बैठा और नदी में पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा इतनी अचानक हुआ कि लोगों को संभलने या खुद को बचाने का मौका भी नहीं मिला। हादसे के बाद चारों ओर चीख-पुकार मच गई, क्योंकि नदी में गिरे लोग अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और कई लोगों को पानी से बाहर निकालने की कोशिश की। जिला मजिस्ट्रेट सीपी सिंह के अनुसार, इस हादसे में अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। वृंदावन के श्रृंगार घाट के पास बचाव अभियान बिना किसी रुकावट के जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों की टीमें तलाशी अभियान चलाने के लिए पानी में उतर चुकी हैं। प्रशासन ने कहा है कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक सभी लापता व्यक्तियों को बचा नहीं लिया जाता। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा है, जहां परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों के बारे में खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि केशी घाट के पास यमुना नदी के एक हिस्से में नाव डूब गई है... अब तक 22 लोगों को पानी से बचाया जा चुका है।

20 साल और विपक्ष में बैठ जाएंगे मगर बाबरी मस्जिद बनाने की बात करने वालों से समझौता नहीं करेंगे: अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपना संकल्प पत्र जारी कर चुनावी मैदान में एक बड़ा दांव चल दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कोलकाता में इस संकल्प पत्र को जारी करते हुए साफ संकेत दे दिया कि इस बार मुकाबला सिर्फ सत्ता का नहीं बल्कि विचार और विश्वास का भी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता डर, निराशा और अव्यवस्था से त्रस्त है और अब बदलाव चाहती है।

हम आपको बता दें कि संकल्प पत्र में भाजपा ने कई बड़े वादे किए हैं जो सीधे जनता की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करते हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू करने का वादा किया गया है और महंगाई भत्ता सुनिश्चित करने की बात कही गई है। महिलाओं को हर महीने तीन हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का वादा भी किया गया है। इसके साथ ही बेरोजगार युवाओं के लिए भी तीन हजार रुपये की सहायता और एक करोड़ रोजगार देने का वादा किया गया है।

सबसे ज्यादा चर्चा समान नागरिक संहिता को लेकर हो रही है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सत्ता में आते ही छह महीने के भीतर इसे लागू किया जाएगा। इसके साथ ही अवैध घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही गई है। भाजपा ने सीमा पर गौ तस्करी रोकने, आयुष्मान योजना को पूरी तरह लागू करने और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने जैसे वादे भी किए हैं।

संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हुई है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सत्ता में आने पर कथित घोटालों और कानून व्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा और जांच तेज गति से होगी। हुमायूं कबीर प्रकरण पर अमित शाह ने यह तक कह दिया कि भाजपा किसी भी कीमत पर उन लोगों के साथ गठबंधन नहीं करेगी जो बंगाल में बाबरी मस्जिद जैसी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा भले 20 साल और विपक्ष में बैठना पसंद करेगी लेकिन सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी।

हुमायूं कबीर की सफाई

इसी बीच हुमायूं कबीर विवाद ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है। तृणमूल कांग्रेस द्वारा जारी एक कथित वीडियो में कबीर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं जिसमें उनके भाजपा से संपर्क और अल्पसंख्यक वोटों को प्रभावित करने की रणनीति की बात कही गई है। वीडियो में कथित तौर पर धन के लेनदेन और बड़े स्तर की योजना का भी जिक्र है। तृणमूल ने इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय से जांच की मांग कर दी है। हालांकि हुमायूं कबीर ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे साजिश करार दिया है और मानहानि का मुकदमा करने की बात कही है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने भी कबीर की पार्टी से दूरी बना ली है, जिससे राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं।

ममता बनर्जी का पलटवार

उधर, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सांप पर भरोसा किया जा सकता है लेकिन भाजपा पर नहीं। उनके इस बयान ने चुनावी माहौल को और ज्यादा आक्रामक बना दिया है। ममता बनर्जी लगातार भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगा रही हैं, जबकि भाजपा राज्य में परिवर्तन और विकास का नारा बुलंद कर रही है। देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया है कि पश्चिम बंगाल का चुनाव इस बार बेहद दिलचस्प और कांटे का होने वाला है। एक तरफ भाजपा अपने वादों और आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में है, तो दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस अपने गढ़ को बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हुमायूं कबीर विवाद, ओवैसी की उनकी पार्टी से दूरी और ममता बनर्जी के तीखे बयान इस चुनाव को और ज्यादा जटिल बना रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार चुनाव सिर्फ वादों का नहीं बल्कि विश्वसनीयता का भी है। जनता किस पर भरोसा करती है, यही तय करेगा कि बंगाल की सत्ता किसके हाथ में जाएगी। फिलहाल इतना तय है कि चुनावी जंग अपने चरम पर है और आने वाले दिनों में आरोप प्रत्यारोप का दौर और तेज होने वाला है।

'नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता', लेबनान में इस्राइली हमले पर भारत और क्या बोला?

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच लेबनान में बढ़ते नागरिक हताहतों को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने कहा है कि दो सप्ताह के युद्धविराम के बावजूद इस्राइल की ओर से जारी हमलों के बीच हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि लेबनान में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौत की खबरें परेशान करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि भारत, संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (UNIFIL) में योगदान देने वाला देश होने के नाते, वहां शांति और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध है और मौजूदा घटनाक्रम बेहद गंभीर संकेत दे रहा है। जायसवाल ने दोहराया कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन और देशों की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि लेबनान में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार सतर्क है। उन्होंने कहा कि लेबनान में करीब 1,000 भारतीय नागरिक रह रहे हैं और हमारा दूतावास लगातार उनके संपर्क में है। इधर, अमेरिका और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम भी दबाव में है। ईरान का दावा है कि इस समझौते में लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई पर रोक भी शामिल है, जबकि अमेरिका और इस्राइल का कहना है कि यह युद्धविराम हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमलों पर लागू नहीं होता।

'ऐसी अभद्र भाषा कहां से लाते हैं?'

जाति जनगणना रोकने की मांग वाली याचिका खारिज कर बोले सीजेआई, लगाई फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सीजेआई सूर्यकांत ने एक याचिककर्ता को कड़े शब्दों में फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार को जाति जनगणना रोकने, संसाधनों के पुनर्वितरण को जनसंख्या उत्तरदायित्व से जोड़ने और एक बच्चे वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करने वाली नीतियां बनाने का निर्देश देने वाली याचिका लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता से कहा, "आप इस याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा कहां से सीखते हैं? ये बदतमीजी की भाषा कहां से लेकर आते हैं आप लोग? आप लोग याचिका कैसे लिखते हैं?"

अदालत ने जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की आलोचना की। सीजेआई सूर्यकांत ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता से कहा, 'आपने अपनी याचिका में बदतमीजी की भाषा लिखी है। आपने अपनी याचिका में अभद्र भाषा लिखी है। आपकी याचिका किसने लिखी है?" इससे पहले दो फरवरी को शीर्ष अदालत ने 2027 की आम जनगणना में नागरिकों के जातिगत आंकड़ों को दर्ज करने, वर्गीकृत करने और सत्यापित करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाली एक अलग जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था।

2027 की जनगणना, जो आधिकारिक तौर पर 16वीं राष्ट्रीय जनगणना है, 1931 के बाद पहली बार व्यापक जाति गणना को शामिल करने वाली और देश की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना होगी।

कुणाल कामरा विवाद : अब कॉमेडियन के समर्थन में आए संजय राउत, कहा– मजाक और अपमान के बीच का फर्क समझे सरकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में 'ब्रीच ऑफ प्रिविलेज' यानी विशेषाधिकार हनन का मामला एक बार फिर गरमा गया है। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा की ओर से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई टिप्पणी और पैरोडी गाने को लेकर मचे घमासान के बीच अब शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। संजय राउत ने कहा कि कुणाल कामरा ने जो किया वह पैरोडी है, न कि अपमान या पवित्रता भंग करना। राउत ने सत्ता पक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार को कला और अपराध के बीच का महीन अंतर समझना चाहिए। दरअसल, कुणाल कामरा ने पिछले साल मुंबई में एक शो के दौरान फिल्म 'दिल तो पागल है' के एक गाने में बदलाव कर महाराष्ट्र में हुए सत्ता परिवर्तन पर कटाक्ष किया था। इस पैरोडी के जरिए उन्होंने जून 2022 में शिवसेना में हुई बगावत और महा विकास अघाड़ी सरकार के गिरने पर निशाना साधा था। बाद में भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर की शिकायत पर इस मामले को विशेषाधिकार समिति को सौंपा गया। गुरुवार को कामरा विशेषाधिकार समिति के सामने पेश हुए, जहां उन्होंने साफ कर दिया कि उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है और न ही वे माफी मांगेंगे।

ओवैसी ने हुमायूं कबीर की पार्टी से तोड़ा गठबंधन, अब अकेले लड़ेगी चुनाव

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चुनाव से ठीक पहले हलचल तेज हो गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने बड़ा फैसला लेते हुए हुमायूं कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया है। अब पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह बंगाल में किसी भी दल के साथ मिलकर नहीं, बल्कि अकेले चुनाव लड़ेगी। एआईएमआईएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए साफ कहा, हुमायूं कबीर के खुलासों से यह जाहिर हो गया है कि बंगाल के मुसलमान कितने कमजोर हैं। एआईएमआईएम ऐसे किसी भी बयान से खुद को नहीं जोड़ सकती, जिससे मुसलमानों की गरिमा पर सवाल उठे। आज की तारीख में, एआईएमआईएम ने कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन तोड़ लिया है। बंगाल के मुसलमान सबसे गरीब, उपेक्षित और शोषित समुदायों में से एक हैं। दशकों तक धर्मनिरपेक्ष शासन रहने के बावजूद, उनके लिए कुछ भी नहीं किया गया है। किसी भी राज्य में चुनाव लड़ने के पीछे एआईएमआईएम की नीति यह है कि हाशिए पर पड़े समुदायों की अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक आवाज हो। हम बंगाल चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेंगे और आगे किसी भी पार्टी के साथ हमारा कोई गठबंधन नहीं होगा। दरअसल, पूरा मामला एक कथित वीडियो के सामने आने के बाद शुरू हुआ। इस वीडियो में हुमायूं कबीर को कथित तौर पर भाजपा नेताओं के साथ बैठकर ममता बनर्जी को हराने की रणनीति बनाते हुए दिखाया गया है। यह वीडियो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जारी किया, जिसके बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया। टीएमसी का आरोप है कि हुमायूं कबीर भाजपा के बड़े नेताओं, जैसे सुवेंदु अधिकारी और हिमंत बिस्वा सरमा के संपर्क में थे। इतना ही नहीं, पार्टी ने दावा किया कि ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये की बड़ी डील हुई है, जिसमें से 200 करोड़ रुपये एडवांस भी दिए जा चुके हैं। टीएमसी ने इस पूरे मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी से कराने की मांग की है। दूसरी तरफ, हुमायूं कबीर ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह असली नहीं है, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया गया है।

अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता बरकरार; हेट स्पीच मामले में बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने विधायक अब्बास अंसारी की जमानत शर्तों के खिलाफ याचिका दायर की है। यह मामला गैंगस्टर एक्ट से जुड़ा है, जिस पर कोर्ट सुनवाई करेगा। इसके साथ ही, पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की याचिका पर भी विचार होगा। भुल्लर ने सीबीआई की भ्रष्टाचार जांच के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया है। केंद्र सरकार ने भी एक विशेष याचिका लगाई है। यह याचिका कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ है, जो पश्चिम बंगाल के एक निवासी को अवैध रूप से बांग्लादेश भेजने से संबंधित है। अदालत हरियाणा सरकार की उस अर्जी पर भी सुनवाई करेगी, जिसमें किसान आंदोलन के दौरान सड़कों को बंद करने का मुद्दा उठाया गया है।

संसदीय प्रदर्शन पर उठे सवाल पर राघव चड्ढा ने वीडियो के जरिए दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने अपने संसदीय कामकाज को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब सोशल मीडिया के जरिए दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, मेरे संसदीय प्रदर्शन पर सवाल उठाने वालों के प्रति आदरपूर्वक, मैं अपने काम को ही बोलने दूंगा। इस वीडियो में उनके राज्यसभा में दिए गए भाषणों की झलक दिखाई गई है, जिसमें उन्होंने कई अहम मुद्दों को उठाया था। वीडियो में डाटा, पितृत्व अवकाश को कानूनी अधिकार बनाने, न्यूनतम बैलेंस पेनल्टी खत्म करने और खाद्य मिलावट जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा, 28 दिन के मोबाइल रिचार्ज प्लान, एयरलाइंस के एक्स्ट्रा बैगेज चार्ज, पेपर लीक घोटाले और वायु प्रदूषण की समस्या पर भी उन्होंने आवाज उठाई। राघव चड्ढा ने गिग वर्कर्स के शोषण, हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में देरी, टोल प्लाजा पर लूट, महंगे एयरपोर्ट खाने और बढ़ते हवाई किराए जैसे मुद्दों को भी संसद में उठाया। उन्होंने मुफ्त वार्षिक हेल्थ चेकअप का अधिकार देने की बात कही। साथ ही डिजिटल कॉपीराइट स्ट्राइक, बढ़ते कर्ज-से-जीडीपी अनुपात और भीड़भाड़ वाले एयरपोर्ट्स की समस्या पर भी चिंता जताई। वीडियो में सरकारी बैंकों की स्थिति, दिव्यांग और सशस्त्र बलों पर टैक्स हटाने, वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को वैध बनाने और राइट टू हायर, राइट टू फायर जैसे विषय भी शामिल हैं।

इंदौर की घटना पर BJP-कांग्रेस आमने-सामने, धार्मिक स्वतंत्रता बनाम राष्ट्रगीत पर सियासत तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदौर नगर निगम की बैठक में वंदे मातरम गाने से इनकार करने की घटना को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। भाजपा ने कांग्रेस और विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन पर राष्ट्रीय गीत का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष देश की गरिमा से ज्यादा वोट बैंक की राजनीति को प्राथमिकता देता है। दरअसल, 8 अप्रैल को नगर निगम की बजट बैठक के दौरान कांग्रेस की पार्षद फौजिया शेख अलीम और रुबीना इकबाल ने वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया था। दोनों पार्षदों का कहना था कि उनका धर्म इसकी अनुमति नहीं देता। इस घटना के बाद बैठक में हंगामा भी हुआ और बीजेपी पार्षदों ने नारेबाजी की। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि विपक्ष की सोच को दर्शाता है।

मणिपुर में पुलिस ने छह लोगों किया गिरफ्तार, बिष्णुपुर ब्लास्ट केस में पीड़ति परिवार ने ठुकराया मुआवजा

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में हुए बम धमाके के बाद राज्य में हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति के बीच पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने पुलिसकर्मियों से हथियार छीनने की कोशिश की और इलाके में लागू कर्फ्यू के नियमों को तोड़ा। पुलिस ने यह कार्रवाई गुरुवार को हेंगंग थाना क्षेत्र के अहलुप माखा लेकाई में की।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान यांगोजम बोरिश सिंह (23), मंगसाताबम डेविड सिंह (21), पंगमबम निवास मेइतेई (22), लैतोनजम रोमन सिंह (22), फेरेनजम टोनी (21) और निंगथौजम डेनिश सिंह (22) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इन लोगों ने न केवल पाबंदियों का उल्लंघन किया बल्कि सुरक्षाकर्मियों के साथ मारपीट भी की।

परिवार ने ठुकराया मुआवजा

दूसरी तरफ, धमाके में जान गंवाने वाले दो मासूम बच्चों के परिवार में गहरा दुख और गुस्सा है। बच्चों की मां का इलाज फिलहाल राज मेडिसिटी अस्पताल में चल रहा है। बच्चों की दादी हिजाम लोइदम ने सरकार की ओर से मिलने वाली आर्थिक मदद (मुआवजा) को लेने से साफ मना कर दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग रखी है कि पांच दिनों के भीतर दोषियों की पहचान की जाए और उनके पोते-पोतियों के हत्यारों को पकड़ा जाए। उन्होंने भावुक होकर सवाल किया कि उन मासूमों का क्या कसूर था और उन्हें इतनी बेरहमी से क्यों मारा गया? महिला समूहों ने भी इस मांग का समर्थन किया है। उन्होंने सरकार से इस पूरी घटना की सच्चाई सामने लाने की अपील की है।

कर्फ्यू में तीन घंटे की ढील दी गई

घाटी के जिलों में पाबंदियां अभी भी जारी हैं, लेकिन आम जनता की सुविधा के लिए कर्फ्यू में तीन घंटे की ढील दी गई। इस दौरान इंफाल के ख्वैरामबंद कैथल बाजार में जरूरी सामान खरीदने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग कम समय में राशन और अन्य जरूरी चीजें जुटाने की कोशिश करते दिखे। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है।

अजित पवार के बेटे पार्थ पवार बने राज्यसभा सांसद, उपराष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। पार्थ पवार गुरुवार को आधिकारिक रूप से राज्यसभा के सदस्य बन गए हैं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में पार्थ अजित पवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ दिलाई। एनसीपी के पार्थ पवार महाराष्ट्र से निर्वाचित होकर राज्यसभा पहुंचे हैं।

गौरतलब है कि पार्थ पवार महाराष्ट्र के एक प्रमुख राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। वे दिवंगत अजित पवार के पुत्र हैं और शरद पवार के पोते हैं। अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे। इसी साल एक विमान दुर्घटना में अजित पवार का निधन हो गया था, जिसके बाद राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। अजित पवार के निधन के कुछ ही समय बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने राज्य की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने पति के निधन के कुछ दिनों बाद ही महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली और इसके साथ ही पार्टी की जिम्मेदारियां भी संभालीं। इससे पहले सुनेत्रा पवार राज्यसभा की सदस्य थीं, लेकिन बाद में उन्होंने उस पद से इस्तीफा दे दिया ताकि वे राज्य सरकार में अपनी नई भूमिका निभा सकें। सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के कारण राज्यसभा की जो सीट खाली हुई, उसी सीट पर पार्थ पवार को निर्वाचित किया गया। यह दिल्ली में उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। गुरुवार को हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में पार्थ पवार ने संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। इसके साथ ही, वे देश के उच्च सदन का हिस्सा बन गए हैं, और अब वे राष्ट्रीय स्तर पर कानून निर्माण और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी भागीदारी निभाएंगे। शपथ ग्रहण के दौरान उपराष्ट्रपति के अलावा नेता सदन और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश व अन्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नोएडा का फर्जी कॉल सेंटर... 450 विदेशी लोगों से ठगे 8 करोड़, 16 पहुंचे जेल

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा में साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। यह कॉल सेंटर सेक्टर 16 में संचालित हो रहा था, जहां से विदेशी नागरिकों को निशाना बनाकर हाईटेक तरीके से ठगी की जा रही थी। पुलिस ने छापेमारी कर इस गिरोह के 16 सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें सरगना भी शामिल बताया जा रहा है। शुरुआती जांच में ही यह खुलासा हुआ है कि गिरोह करीब 450 विदेशी नागरिकों से 8 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

पुलिस के अनुसार, यह कोई साधारण कॉल सेंटर नहीं था, बल्कि पूरी तरह से योजनाबद्ध तरीके से चलाया जा रहा साइबर फ्रॉड का अड्डा था। यहां काम करने वाले सभी लोग प्रशिक्षित थे और इन्हें खास तौर पर विदेशी नागरिकों से अंग्रेजी में बात करने की ट्रेनिंग दी गई थी। कॉल सेंटर में अलग-अलग टीमें बनाई गई थीं, जिसमें कॉल करने वाले एजेंट, टेक्निकल सपोर्ट बताने वाले लोग और पैसे वसूलने वाले अलग-अलग सदस्य शामिल थे।

गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया और इंटरनेट पर टेक्निकल सपोर्ट के नाम से विज्ञापन डालते थे। इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से अमेरिका और यूरोप के नागरिकों से संपर्क किया जाता था। बातचीत के दौरान खुद को किसी बड़ी कंपनी का टेक्निकल एक्सपर्ट बताकर लोगों को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनके कंप्यूटर या लैपटॉप में वायरस है या वह हैक हो चुका है। डर और घबराहट पैदा कर पीड़ित को तुरंत समाधान लेने के लिए कहा जाता था, जिससे वह बिना सोचे-समझे उनकी बातों में आ जाता था।

स्क्रीन ब्लैक कर बनाते थे दबाव

इस गिरोह की ठगी करने का सबसे खतरनाक तरीका यह था कि आरोपी स्क्रीन शेयरिंग के जरिए पीड़ित के सिस्टम तक पहुंच बना लेते थे और उसकी स्क्रीन को ब्लैक कर देते थे। इससे पीड़ित को लगता था कि उसका सिस्टम पूरी तरह से हैक हो गया है और अब वह खुद कुछ नहीं कर सकता। इस स्थिति में आरोपी समस्या ठीक करने के नाम पर पैसे मांगते थे और पीड़ित मजबूरी में भुगतान कर देता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह पिछले करीब 6 महीनों से सक्रिय था। इस दौरान उन्होंने लगभग 450 विदेशी नागरिकों को अपना शिकार बनाया। छोटे-छोटे भुगतान से शुरू होकर कई मामलों में बड़ी रकम तक वसूली गई। कुल मिलाकर अब तक 8 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी सामने आई है।

क्रिप्टोकरेंसी से छुपाते थे ठगी का पैसा

आरोपी ठगी से मिली रकम को सीधे अपने बैंक खातों में रखने के बजाय क्रिप्टोकरेंसी में बदल देते थे। इससे पैसे का ट्रैक करना मुश्किल हो जाता था। इसके बाद इस रकम को आपस में बांट लिया जाता था। पुलिस अब इन ट्रांजेक्शन की गहराई से जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों की तलाश भी जारी है। पुलिस ने कॉल सेंटर से चार लैपटॉप, 16 मोबाइल फोन, 16 हेडफोन, 15 कंप्यूटर, एक मॉडेम और दो राउटर बरामद किए हैं। इन उपकरणों में ठगी से जुड़े कई डिजिटल सबूत मिले हैं, जिससे इस पूरे नेटवर्क के विस्तार का पता लगाया जा रहा है।

पढ़े-लिखे युवक निकले साइबर ठग

डीसीपी साइबर सावे शैव्या गोयल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कई युवक अच्छी तरह शिक्षित हैं, जिनमें 12वीं, बीए, बीकॉम और बीटेक पास शामिल हैं। इन लोगों ने अपनी तकनीकी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हुए साइबर अपराध को अंजाम दिया। इन्हें खासतौर पर विदेशी नागरिकों को फंसाने के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। उनका यह भी कहना है कि यह गिरोह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके बैंक खातों व डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

असम के मुख्यमंत्री के विवादित बयान पर भड़की कांग्रेस, प्रदर्शन के दौरान फूंका पुतला

सुल्तानपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा सरमा द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा के खिलाफ अभद्र अमर्यादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व मे कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट व विकास भवन के सामने स्थित राजीव गांधी तिकोनिया पार्क में जोरदार विरोध प्रदर्शन कर पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पुलिस को चकमा देकर पार्क के अंदर असम के मुख्यमंत्री का पुतला लाकर फूंक दिया और बाहर खड़ी पुलिस देखती रह गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने सत्तारूढ़ दल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के नेताओं की भाषा दिन-ब-दिन गिरती जा रही है।

सैन्य सम्मान के साथ शहीद को दी गई अंतिम विदाई

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। विकास खंड क्षेत्र के लाल की देश सेवा करते हुए शहीद होने पर पूरे जिले की आंखे नम हो गई। शव के पहुंचने पर क्षेत्र वासियों का तांता लगा रहा। डोगरा सेंटर अयोध्या से आए मराठा रेजिमेंट के जवानों ने शहीद सैनिक की नम आंखों से शव यात्रा निकालकर कर साथी को अंतिम विदाई दी। स्थानीय नेताओं सहित अधिकारियों ने भी पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बता दे कि स्थानीय विकास खंड के पूरे वैसी मझना गांव निवासी अखिलेश शुक्ला(28) पुत्र राधेकृष्ण शुक्ला सेना के ईएमई कोर में नायक के पद पर कुपवाड़ा जनपद के त्रेहगाम में तैनात थे। जहां वे 28 मार्च को गोली लगने से घायल हो गए।घायलावस्था में यूनिट के जवानों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एसआर हॉस्पिटल नई दिल्ली में भर्ती कराया। दौरान इलाज 07 अप्रैल को दिन में 12 बजे शहीद सैनिक अखिलेश शुक्ला ने अंतिम सांस ले ली। शुक्रवार को सुबह उनका शव अलीगंज बाजार पहुंचा तो क्षेत्रवासियों ने पुष्प वर्षा करते हुए उसका स्वागत किया।शव उनके पैतृक निवासी पहुंचते ही कोहराम मच गया। तिरंगे से लिपटे शव के पहुंचते ही मां सीमा,बहन प्रियंका, शिवानी सहित परिवारजन दहाड़े मार कर रोने लगे। सेवा निवृत सैनिक के इकलौते बेटे के शहीद हो जाने पर पिता पर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा।अंतिम दर्शन के लिए शव करीब 02 घंटे उनके आवास पर रहा। उसके बाद डोगरा रेजिमेंट अयोध्या से जवानों ने सैनिक सम्मान के साथ शव की अंतिम यात्रा निकाली। शव यात्रा घर से करीब 200 मीटर दूर बाग में पहुंची। जहां पर सबसे पहले पिता राधे कृष्ण शुक्ला ने पुष्प चक्र से शहीद बेटे को श्रद्धांजलि अर्पित की।उसके बाद मौजूद अन्य सैकड़ों लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की। थोड़ी देर बाद मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी,सीओ सिटी सौरभ सामंत, भाजपा नेता ओम प्रकाश पांडेय बजरंगी, मनीषा पांडेय,संजय सिंह त्रिलोकचंदी आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की। अंत में अयोध्या से आए डोगरा रेजिमेंट के कैप्टन आशीष दहिया व शहीद सैनिक की यूनिट से आए सूबेदार प्रशांत कुमार तिवारी ने विदाई देकर सैनिक सम्मान के साथ शव को चिता के पास पहुंचाया। तथा तिरंगे व शहीद की वर्दी को यूनिट के सूबेदार ने पिता को सौप दिया। उसके बाद पिता ने पिंडदान आदि करके मुखाग्नि दी।अंतिम संस्कार में एम एल सी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा नेता अखिलेश तिवारी सहित हजारों लोग शामिल हुए।

शादी के 10 माह बाद युवक ने चुनी मौत, नपुंसकता से हताश होकर लगा ली फांसी

आर्यावर्त संवाददाता

महोबा। महोबा में 28 वर्षीय नवविवाहित युवक ने नपुंसकता से तंग आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शादी के महज 10 माह बाद ही युवक शारीरिक कमजोरी और मानसिक हताशा का शिकार हो गया था। इलाज के बावजूद बीमारी के तनाव ने उसे मौत को गले लगाने पर मजबूर कर दिया।

घटना महोबा जनपद के श्रीनगर थाना क्षेत्र के भंडरा गांव की है। 28 वर्षीय युवक का शव जब घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटका मिला, तो खुशियों वाले घर में मातम छा गया।

अजय की शादी महज 10 महीने पहले ही मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले की रहने वाली युवती से हुई थी। शादी के शुरुआती दिन किसी फिल्मी सपने की तरह थे। दोनों पति-पत्नी सोशल मीडिया पर रील बनाकर अपना प्यार जाहिर करते थे, लेकिन इस खुशहाल जिंदगी को अचानक किसी की नजर लग गई।

मृतक के पिता राजकुमार ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद अजय शारीरिक रूप से नपुंसकता का शिकार हो गया। यह बीमारी अजय के लिए केवल शारीरिक कष्ट नहीं, बल्कि एक गहरा मानसिक घाव बन गई। पिता राजकुमार बताते हैं कि अजय हरियाणा में मजदूरी करता था और परिवार का सहारा था।

बीमारी का पता चलने पर उसका इलाज एक वैद्य के पास कराया जा रहा था, जिससे उसे सुधार भी महसूस हो रहा था। लेकिन अजय अंदर ही अंदर इस बात से टूट चुका था।

घटना के वक्त घर पर कोई मौजूद नहीं था। पिता अपनी बहू को मायके छोड़ने गए थे। सूने घर में अजय ने मौत का रास्ता चुन लिया। जब पिता घर लौटे तो बेटे को फंदे पर लटका देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। महज 10 महीने के भीतर ही सुनीता का सुहाग उजड़ गया है और उसका रो-रोकर बुरा हाल है।

इस घटना ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य और गंभीर बीमारियों से उपजी हताशा पर चर्चा छेड़ दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन इस खौफनाक कदम ने एक हंसते-खेलते परिवार को ताउम्र का दर्द दे दिया है।

औरैया बॉर्डर पर भरभराकर गिरा निर्माणाधीन प्रवेश द्वार, मलबे में दबे पांच मजदूर, दो की हालत नाजुक

आर्यावर्त संवाददाता

उरई। उरई में कुठौंद क्षेत्र के आगे शंकरपुर के पास यमुना पुल के निकट औरैया सीमा पर बन रहा प्रवेश द्वार अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मौके पर काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों मजदूरों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया है।

इसमें दो की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य के दौरान अचानक ढांचा कमजोर पड़ गया और देखते ही देखते पूरा प्रवेश द्वार ढह गया। हादसे में पांच मजदूर मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों और साथियों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला।

दो मजदूरों की हालत गंभीर

घायलों को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, अन्य का उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी गई है।

दोषियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

प्रारंभिक तौर पर हादसे के पीछे निर्माण में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। बताया जा रहा है कि स्ट्रक्चर का डिजाइन या सपोर्ट सिस्टम कमजोर था, जो ढलाई का बोझ सहन नहीं कर सका।

बाल विकास विभाग में भ्रष्टाचार का खेल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों की जमीनी हकीकत और कागजी दावों में भारी अंतर दिखाई दे रहा है, जिससे विभाग की कार्यशैली संदेह के घेरे में आ गई है। जानकारी के अनुसार, कई आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां अपने केंद्रों पर नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहतीं। मीटिंग और अन्य कार्यों का बहाना बनाकर केंद्रों से गायब रहना आम बात हो गई है। विशेष रूप से परिषदीय विद्यालयों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताले लटकते देखे जा सकते हैं। आंगनबाड़ी में नामांकित बच्चों की स्थिति भी संदिग्ध बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों का वास्तविक उपस्थिति रिकॉर्ड कहीं नजर नहीं आता। वहीं, सरकार द्वारा दिए जाने वाले पोषाहार (पोषक तत्व) केवल कागजों में ही वितरित दिखाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा विकसित 'बाल वाटिका' योजना का भी मजाक बनता नजर आ रहा है। नगर क्षेत्र के कई विद्यालयों में बाल वाटिका सिर्फ कागजों तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर इसका कोई ठोस संचालन नहीं दिख रहा। भदैया ब्लॉक के भरथीपुर, भरसड़ा, त्रिलोकचंदपुर और वजूपुर जैसे गांवों में यह स्थिति और भी गंभीर बताई जा रही है। यहां खुलेआम भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि आखिर पोषाहार कहां जा रहा है? क्या संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मिलकर बच्चों के हक पर डाका डाल रहे हैं? सबसे चिंताजनक बात यह है कि न तो सीडीपीओ द्वारा नियमित जांच की जा रही है और न ही जिला कार्यक्रम अधिकारी की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर आ रही है। ऐसे में आम जनता के मन में शंका और आक्रोश होना स्वाभाविक है।

यमुना में पांटून पुल से टकराई नाव, 25 लोग थे सवार, बचाव दल ने 15 को बचाया, 10 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। केसी घाट पर श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पंटून पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। गोताखोर यमुना के गहरे पानी में डूबे हुए लोगों की तलाश में जुटे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने बिना देर किए बचाव अभियान शुरू कर दिया। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पंजाब से आया था 150 लोगों का दल

जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से आया है और ये सभी उनमें ही शामिल थे। बताया गया है जिस नाव में लोग सवार थे वो भी पलट कर डूब गई है और उसकी तलाश भी जारी है। जिसकी यह नाव है वो प्राइवेट नाविक था।

नोएडा एयरपोर्ट पर अप्रैल में ही शुरू होगी फ्लाइट बुकिंग? आखिरी काम बाकी

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। लंबे समय से प्रतीक्षित इस एयरपोर्ट से जल्द ही विमान सेवाएं शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस कड़ी में यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का बोर्ड 20 अप्रैल को एयरपोर्ट का महत्वपूर्ण निरीक्षण करने जा रहा है, जिसे ऑपरेशन शुरू करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड सदस्य 20 अप्रैल को एयरपोर्ट का दौरा करेंगे। यह निरीक्षण सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि विमान सेवाओं की शुरुआत से पहले की एक निर्णायक प्रक्रिया है। इस दौरान एयरपोर्ट की तैयारी, सुरक्षा इंतजामों

और संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का गहन मूल्यांकन किया जाएगा। बोर्ड के इस निरीक्षण के बाद कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं, जो एयरपोर्ट के संचालन की दिशा तय करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, अगर निरीक्षण सफल रहता है तो अगले ही महीने यानी अप्रैल से ही फ्लाइट टिकटों की बिक्री शुरू की जा सकती है। यह संकेत देता है कि एयरपोर्ट अब संचालन के अंतिम चरण में पहुंच चुका है। हालांकि टिकट बिक्री शुरू होने से पहले कुछ जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करना होगा, जिनमें सबसे अहम है सुरक्षा मंजूरी। एयरपोर्ट से उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम की मंजूरी जरूरी है। फिलहाल यह प्रक्रिया लंबित बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस देरी की एक वजह कंपनी के शीर्ष पद पर विदेशी सीईओ का होना भी है, जिसके चलते कुछ प्रक्रियाएं समय ले रही हैं। बोर्ड बैठक में इस मुद्दे पर भी निर्णय लिया जा सकता है।

संचालन का इंतजार

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा चुका है। इसके बावजूद अभी तक नियमित विमान सेवाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि निरीक्षण और सुरक्षा मंजूरी के बाद आखिर कब तक यहां से उड़ानें शुरू होंगी। वहीं, एयरपोर्ट प्रबंधन की योजना के अनुसार शुरुआत में घरेलू उड़ानों को शुरू किया जाएगा, जिसमें देश के प्रमुख शहरों के लिए यहां से कनेक्टिविटी दी जाएगी। इसके बाद साल के अंत तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की भी शुरुआत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए एयरलाइंस कंपनियां अभी अपनी तैयारी में जुटी हुई हैं।

तेजी से पूरा हो रहा बाकी काम

एयरपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल और अन्य बचे हुए कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है। अधिकारियों का दावा है कि सभी जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर लगभग तैयार है और सिर्फ अंतिम मंजूरी का इंतजार है। जैसे ही सभी प्रक्रियाएं पूरी होंगी, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के सबसे आधुनिक एयरपोर्ट में शामिल होगा। कुल मिलाकर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब अपने अंतिम चरण में है। 20 अप्रैल का निरीक्षण और उसके बाद लिए जाने वाले फैसले यह तय करेंगे कि उड़ान सेवाएं कब से शुरू होंगी।

समयबद्ध पंचायत चुनाव कराने की मांग को लेकर मोस्ट ने सौंपा ज्ञापन

सुल्तानपुर। मोस्ट कल्याण संस्थान, उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में पंचायत चुनाव-2026 को समयबद्ध ढंग से कराने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा गया। ज्ञापन में मोस्ट जनरल राम उजागिर यादव ने कहा कि वर्ष 2026 में प्रस्तावित पंचायत चुनावों के समय पर न होने की आशंका व्यक्त की जा रही है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान के अनुसार पंचायतों का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित है, ऐसे में समय से चुनाव कराना अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पंचायत चुनाव समय पर नहीं कराए गए तो इससे ग्रामीण स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होगी और आम जनता के अधिकारों का हनन होगा। श्री यादव ने राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में मांग की है कि पंचायत चुनाव-2026 को समयबद्ध ढंग से कराने हेतु आवश्यक तैयारियां शीघ्र पूर्ण कराई जाय।

अविरल फाउंडेशन बनेगा बेजुबानों की आवाज

आर्यावर्त संवाददाता

लम्भुआ/सुल्तानपुर। जब झुलसा देने वाली गर्मी जहां इंसानी जीवन को कठिन बना देती है वहीं बेजुबान पशु-पक्षियों के सामने भी अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाता है। तपते आसमान और सूखते जलस्रोतों के बीच प्यास से तड़पते परिंदों के सामने भी जल संकट गहराने लगता है। ऐसे कठिन समय में लम्भुआ क्षेत्र का अविरल फाउंडेशन एक सराहनीय और मानवीय पहल के साथ आगे आएगा। अविरल फाउंडेशन के अध्यक्ष भानुकर तिवारी के नेतृत्व में टीम ने संकल्प लिया है कि पूरे क्षेत्र में पक्षियों के लिए जीवनदान अभियान जल्द ही चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत हर घर में जल-पात्र (मिट्टी) के रखवाए जाएंगे, जिन्हें पेड़ों से बांधा जाएगा या घरों की छतों पर छायादार स्थानों पर स्थापित किया जाएगा, ताकि प्यास से व्याकुल परिंदों को सहज रूप से पानी मिल सके।अध्यक्ष श्री तिवारी ने बताया कि यह पहल केवल एक अभियान नहीं बल्कि समाज के प्रति हमारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भीअपने-अपने घरों में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था कर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनें। भीषण गर्मी के इस दौर में जब हर जीव पानी के लिए संघर्ष कर रहा है, ऐसे में अविरल फाउंडेशन की यह पहल निश्चित ही एक मिसाल बनेगी और समाज को एक सकारात्मक संदेश देगी कि छोटी-छोटी कोशिशें भी किसी के लिए जीवनदान बन सकती हैं।श्री तिवारी ने यह स्पष्ट कहा है कि यह पहल केवल घर-घर जल-पात्र बांटने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से समाज में पशु-पक्षियों के प्रति प्यार, स्नेह और संवेदनशीलता का संदेश भी फैलाना उद्देश्य है।

लखनऊ में नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल का शुभारंभ, सीएम योगी बोले-हमारी दिनचर्या बदली तो परिणाम हमारे सामने हैं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में शुक्रवार को नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 का शुभारंभ हुआ। समारोह कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया की तरफ से आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया।

इस मौके पर सीएम ने कहा कि हमारे देश में प्राचीनकाल से ही समय पर जगना, सोना और संतुलित आहार लेना हमारी दिनचर्या का हिस्सा रहा है। लेकिन, दिनचर्या बदली, लाइफस्टाइल बदली तो परिणाम भी हमारे सामने हैं और चुनौतियां भी। सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना और किफायती उपचार के विस्तार पर काम कर रही है। दूसरी ओर, समाज को बीमारियों से पहले ही सुरक्षित करने की रणनीति यानी 'बचाव' को

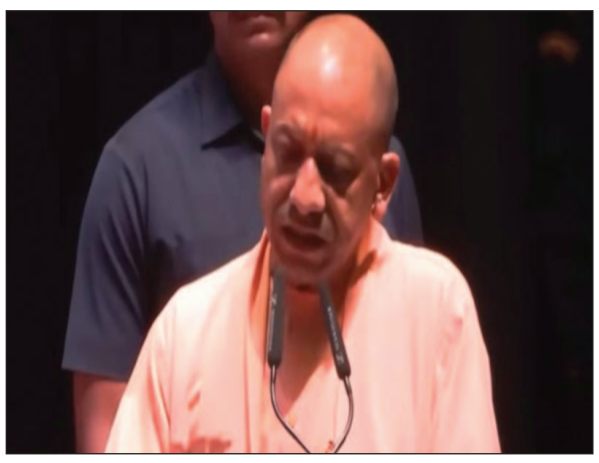

प्राथमिकता देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यही द्विस्तरीय दृष्टिकोण आने वाले भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा का आधार बनेगा और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को वास्तविकता में बदलने की दिशा तय करेगा।

नियमित दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है

उन्होंने कहा कि नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज आज समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। जबकि, भारत की परंपरा में संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या हमेशा से स्वस्थ जीवन का आधार रही है। बदलती जीवनशैली के चलते उत्पन्न चुनौतियों के बीच अब स्वास्थ्य के दो प्रमुख आयाम-बचाव और उपचार स्पष्ट रूप से सामने हैं।

सीएम ने आगे कहा कि जिस तेजी से नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियां बढ़ रही हैं। समाज का बड़ा वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। पहले गंभीर बीमारी का मतलब पूरे परिवार के लिए आर्थिक संकट होता था, क्योंकि न पर्याप्त स्वास्थ्य संस्थान थे और न ही विशेषज्ञों की उपलब्धता। लेकिन, पिछले वर्षों में स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से आज देश के लगभग 55-60 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा मिल रही है।

1400 करोड़ रुपये उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए

उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से लगभग 1400 करोड़ रुपये उपचार के लिए जनता को उपलब्ध कराए गए, जो सरकार की संवेदनशीलता का प्रमाण है। हाल ही में शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर्स, एएनएम तथा मिड-डे मील से जुड़े रसोइयों को भी इस योजना में कवर किया गया है। ताकि, समाज का एक बड़ा वर्ग अब स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में आ गया है।

एक दशक पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित थे, जो 25 करोड़ की आबादी के लिए बेहद अपर्याप्त थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 81 हो गई है। 2 एम्स भी संचालित हैं। हर जिले में आईसीयू की स्थापना, अनेक स्थानों पर कैथ लैब की शुरुआत, निजी क्षेत्र में सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों का तेजी से विस्तार और पुराने मेडिकल कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर का सुदृढ़ीकरण स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती दे रहा है।

अधिक स्मार्टफोन के उपयोग ने नई बीमारियों को जन्म दिया

सीएम ने उदाहरण देते हुए बताया कि केजीएमयू में प्रतिदिन 12 से 14 हजार, एम्स दिल्ली में 16 से 17 हजार और एसजीपीजीआई में 10 से 12 हजार तक ओपीडी होती है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक मरीज को पर्याप्त समय और गुणवत्तापूर्ण उपचार दे पाना कठिन हो जाता है। भविष्य में यह दबाव और बढ़ने की आशंका है।

उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली, विशेषकर प्रतिदिन 4 से 6 घंटे स्मार्टफोन के उपयोग ने नई बीमारियों को जन्म दिया है। वहीं डायबिटीज का तेजी से बढ़ता प्रसार भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। इन परिस्थितियों में केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि व्यापक जन जागरुकता अत्यंत आवश्यक है। सीएम ने आगे कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती बदलती जीवनशैली और खान-पान में बढ़ती मिलावट है। अतीत में लोग समय पर सोते-जागते और संतुलित आहार लेते थे, जबकि आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

होटल से निकली 75 लाख की रकम लूटने वाला गिरोह गिरफ्तार, ड्राइवर ने लालच में रची साजिश; 45 लाख नगद व स्कार्पियो बरामद

लखनऊ। राजधानी के विभूतिखण्ड थाना क्षेत्र में हुई 75 लाख रुपये की बड़ी लूट की वारदात का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए पांच शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच, क्राइम/सर्विलांस (पूर्वी) और थाना विभूतिखण्ड की संयुक्त टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई में लूट की गई रकम में से 45 लाख रुपये नगद तथा घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर प्लेट की काली स्कार्पियो वाहन बरामद की गई है। इस खुलासे से एक सुनियोजित आपराधिक साजिश का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें होटल से जुड़े व्यक्ति की भूमिका भी सामने आई है।पुलिस के अनुसार 5 अप्रैल 2026 को वादी निकुल सिंह जडेजा निवासी परपाटन, गुजरात ने थाना विभूतिखण्ड में प्रार्थना-पत्र देकर सूचना दी थी कि स्कार्पियो सवार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें धक्का देकर नगदी से भरा बैग लूट लिया।

बीएसएनएल स्वदेशी तकनीक से बनेगी देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी : केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विज़न है कि देश के हर नागरिक तक संचार सुविधाएं सुलभ हों। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी तकनीक आधारित 4जी सेवाओं का शुभारंभ 27 सितम्बर 2023 को उड़ीसा से किया गया था, जो देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। आज भारत स्वदेशी तकनीक आधारित संचार क्रांति की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के प्रति लोगों का विश्वास और रुझान लगातार बढ़ रहा है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को लखनऊ स्थित भूतनाथ टेलीफोन एक्सचेंज के सभागार में आयोजित बीएसएनएल अधिकारी संघ की

सेंट्रल एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में "बीएसएनएल– स्वदेशी तकनीकः अवसर और चुनौतियाँ" विषयक कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।उन्होंने कहा कि बीएसएनएल के साथ उनकी पुरानी यादें जुड़ी हैं और सांसद रहते हुए वे दूरसंचार की एक समिति से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने बीएसएनएल की निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के गठन के बाद देश को आत्मनिर्भर बनाने हेतु अनेक क्रांतिकारी कदम उठाए गए।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बीएसएनएल के पास मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर है और वह किसी भी दृष्टि से पीछे नहीं है। आवश्यकता है कि समर्पण और बेहतर रणनीति के साथ कार्य कर इसे देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी बनाया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में बीएसएनएल देश में शीर्ष स्थान प्राप्त करेगा।उन्होंने कहा कि भारत परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में लंबी छलांग लगा रहा है और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में बीएसएनएल की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। देश में आज भी बड़ी संख्या में उपभोक्ता बीएसएनएल की सेवाओं पर विश्वास करते हैं।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमें हर कार्य राष्ट्रहित में करना चाहिए और दूरसंचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने होंगे। स्वदेशी तकनीक को अपनाकर भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि सस्ती, गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि भारत संचार निगम लिमिटेड देश की प्रमुख सरकारी दूरसंचार कंपनी है, जो स्वदेशी तकनीक के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है। इससे न केवल विदेशी निर्भरता कम होगी, बल्कि देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, स्थानीय उद्योगों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा तथा डेटा और साइबर सुरक्षा भी सुदृढ़ होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि स्वदेशी तकनीक को वैश्विक मानकों पर खरा उतारना, अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश करना तथा नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ लखनऊ पुलिस का सख्त अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शहर में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों पर अनुशासन कायम रखने के उद्देश्य से लखनऊ पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और हुड़दंग करने वालों के खिलाफ विशेष सख्त अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान कुल 101 स्थानों पर व्यापक चेकिंग की गई, जिसमें 2224 व्यक्तियों की जांच करते हुए 396 लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए चालान किए गए।यह विशेष अभियान 9 अप्रैल 2026 को रात्रि 9 बजे से 11 बजे तक लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के सभी जोनों में एक साथ चलाया गया। अभियान पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशानुसार तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण में संचालित किया गया। सभी जोनों के पुलिस उपायुक्तों के नेतृत्व में सहायक पुलिस आयुक्तों और थाना प्रभारियों की टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से चेकिंग अभियान चलाया।अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों, दुकानों के बाहर, पार्कों, बाजारों, बस स्टैंड, चौराहों तथा अन्य भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में खुले में बैठकर शराब पीने, शराब पीकर हुड़दंग करने तथा राहगीरों, विशेषकर महिलाओं और आम नागरिकों को असुविधा पहुंचाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। जांच के दौरान 101 स्थानों पर कुल 2224 व्यक्तियों की चेकिंग की गई, जिनमें से 396 व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करते हुए पाए गए। इनके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत चालान की कार्रवाई की गई और भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहने की कड़ी चेतावनी भी दी गई।

○ संक्षेप ○

नाका हिण्डोला पुलिस की तत्परता से साइबर ठगी की शिकार महिला को मिली राहत, 28,122 की पूरी रकम खाते में कराई वापस

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत थाना नाका हिण्डोला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की शिकार एक महिला की पूरी धनराशि 28,122 वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। इस कार्रवाई से न केवल पीड़िता को आर्थिक राहत मिली है, बल्कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास भी और अधिक मजबूत हुआ है।पुलिस के अनुसार दिनांक 06 अप्रैल 2026 को थाना नाका हिण्डोला क्षेत्र के गणेशगंज निवासी पीड़िता पूजा अग्रवाल द्वारा साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया कि अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा उनके बैंक खाते से धोखाधड़ी कर 28,122 की धनराशि निकाल ली गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। प्रकरण की जानकारी मिलते ही प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन में साइबर सेल टीम सक्रिय हो गई। टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया और संबंधित बैंक तथा पेमेंट गेटवे से समन्वय स्थापित कर फ्रॉड की गई धनराशि को तत्काल फ्रीज कराया गया। लगातार तकनीकी प्रयासों और समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप पुलिस टीम ने ठगी गई पूरी धनराशि को सुरक्षित करते हुए पीड़िता के बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दिया।अपनी खोई हुई जमा पूंजी वापस मिलने पर पीड़िता ने लखनऊ पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई से उन्हें न केवल आर्थिक राहत मिली, बल्कि मानसिक तनाव से भी मुक्ति मिली है।इस प्रभावी कार्रवाई में थाना नाका हिण्डोला के प्रभारी निरीक्षक अभिनव कुमार वर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सतेन्द्र सैनी तथा महिला कांस्टेबल सपना गिरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई को साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।लखनऊ पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत साइबर क्राइम पोर्टल या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर नुकसान को रोका जा सके।

स्मार्ट मीटर को लेकर आप का सरकार पर हमला, 959 करोड़ के घोटाले का लगाया आरोप

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को लेकर योगी सरकार और बिजली कंपनियों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटरों के खिलाफ भारी जनआक्रोश देखने को मिल रहा है और यह योजना जनता की सुविधा के बजाय आर्थिक शोषण का माध्यम बनती जा रही है। उन्होंने स्मार्ट मीटरों को "लूट मीटर" करार देते हुए कहा कि इससे उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाला जा रहा है और बिजली व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है। विनय पटेल ने कहा कि वर्ष 2018 में लगाए गए 2जी स्मार्ट मीटरों का भी जनता ने विरोध किया था, क्योंकि उन मीटरों से 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक बिल आने की शिकायतें सामने आई थीं। उस समय सरकार ने दावा किया था कि ये मीटर लगभग आठ वर्षों तक सुचारु रूप से कार्य करेंगे, लेकिन अब उन्हें हटाकर 4जी स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में प्रदेश में लगभग 78 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिनमें से करीब 70 लाख प्रीपेड मीटर हैं, और इन्हीं प्रीपेड मीटरों में सबसे अधिक गड़बड़ियां सामने आ रही हैं।उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की बिना सहमति के लगाए जा रहे हैं, जो विद्युत अधिनियम की धारा 55 का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि प्रीपेड प्रणाली में सबसे बड़ी समस्या यह है कि जैसे ही रिचार्ज समाप्त होता है, तुरंत बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है और रिचार्ज कराने के बाद भी 12 से 36 घंटे तक बिजली बहाल नहीं हो पाती। इस कारण आम जनता को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनके दैनिक जीवन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।विनय पटेल ने बताया कि प्रदेश के गाजियाबाद, नोएडा, बहराइच, अंबेडकर नगर और सुल्तानपुर सहित कई

दो शातिर अपराधियों पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई, छह माह के लिए लखनऊ से किया गया जिला बदर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से लखनऊ में दो शातिर अपराधियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें छह माह के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया गया है। यह आदेश न्यायालय संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) द्वारा सुनवाई के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष के तर्कों के आधार पर पारित किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार संस्थित वाद संख्या 222(89)/2025 तथा 20(12)/2026 से संबंधित विपक्षीगण के विरुद्ध न्यायालय में उ0प्र0 गुंडा नियंत्रण अधिनियम-1970 की धारा-3 के अंतर्गत सुनवाई की गई। इस दौरान विपक्षीगण के अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत तथ्यों तथा राज्य की ओर से उपस्थित संयुक्त निदेशक अभियोजन अतेश कुमार सिंह द्वारा रखे गए तर्कों को विस्तार से सुना गया। न्यायालय द्वारा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद पाया गया कि संबंधित अभियुक्तों की आपराधिक गतिविधियां जनशांति एवं कानून-व्यवस्था के लिए खतरा बनी हुई थीं।न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष के तथ्यों से संतुष्ट होकर दोनों अभियुक्तों की आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से उन्हें जनपद लखनऊ की सीमा से छह माह के लिए निष्कासित (जिला बदर) किए जाने का आदेश पारित किया। इस आदेश के बाद दोनों अपराधियों को निर्धारित अवधि तक जनपद की सीमा में प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा।

गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति को लेकर ऊर्जा मंत्री ए .के . शर्मा सख्त, स्मार्ट मीटर शिकायतों के त्वरित समाधान और क्षमता वृद्धि कार्यों में तेजी के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ए.के. शर्मा ने आज संगम सभागार में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड तथा प्रदेश के सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक कर आगामी गर्मी के मौसम में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए की गई तैयारियों का गहन मूल्यांकन किया।बैठक के दौरान ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि विद्युत व्यवस्था का मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा प्रदान करना है और "सिस्टम में जनता सर्वोपरि है।" उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जाए तथा विद्युत से संबंधित शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं का भरोसा व्यवस्था पर बना रहे।स्मार्ट

मीटर से संबंधित समस्याओं पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को इन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस और प्रभावी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं में किसी भी प्रकार की भ्रांति या असमंजस की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया, जिससे उपभोक्ता स्मार्ट मीटर के लाभ, उपयोगिता और संचालन प्रणाली को सही ढंग से समझ सकें और उसका सहज उपयोग कर सकें।ऊर्जा मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर में पर्याप्त बैलेंस बनाए रखने के लिए समय-समय पर जागरूक किया जाए तथा बैलेंस समाप्त होने से पूर्व उन्हें समय रहते सूचना उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी उपभोक्ता का बैलेंस रात्रि के समय समाप्त होता है, तो उसका विद्युत कनेक्शन रात में नहीं काटा जाएगा। इसी प्रकार, अवकाश के दिनों में भी किसी उपभोक्ता का कनेक्शन विच्छेदित नहीं किया जाएगा, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े और आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रह सकें।स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए मंत्री ने अलग से विशेष काउंटर स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े और उन्हें एक ही स्थान पर शीघ्र समाधान मिल सके। इसके साथ ही शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं उत्तरदायी बनाने पर भी जोर दिया गया, ताकि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।बैठक में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से क्षमता वृद्धि के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इकाना स्टेडियम में आईपीएल मैच को लेकर 12 अप्रैल को व्यापक यातायात डायवर्जन लागू, कई प्रमुख मार्गों पर भारी वाहनों व सामान्य यातायात पर रहेगा प्रतिबंध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। इकाना स्टेडियम में दिनांक 12 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित आईपीएल मैच के दृष्टिगत यातायात पुलिस द्वारा शहर में व्यापक यातायात डायवर्जन योजना लागू की गई है। यह व्यवस्था दोपहर 12:00 बजे से मैच समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि निर्धारित मार्गों और वैकल्पिक रास्तों का प्रयोग कर अनावश्यक असुविधा से बचें।जारी निर्देशों के अनुसार कमता शहीद पथ तिराहा अयोध्या रोड से सामान्य यातायात को शहीद पथ होते हुए सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड तथा कानपुर रोड की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे वाहन कमता तिराहा से इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान चौराहा, समतामूलक चौराहा, लालबत्ती चौराहा, करियप्पा चौराहा,

तेलीबाग चौराहा, बाराबिरवा चौराहा अथवा इन्दिरा नहर चौराहा से होते हुए किसान पथ के माध्यम से अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। इसी प्रकार शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा से भी सामान्य यातायात को सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड और अयोध्या रोड की दिशा में जाने की अनुमति नहीं होगी तथा वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से होकर गुजरना होगा।गोसाईगंज कस्बा तिराहा सुल्तानपुर रोड से बड़े वाहन, बस और कामर्शियल वाहनों का अहिमामऊ की दिशा में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इन वाहनों को अमूल डेरी कटिंग से वृन्दावन योजना या कबीरपुर किसान पथ के रास्ते अपने गंतव्य तक भेजा जाएगा। इसी प्रकार उतरेठिया अण्डरपास चौराहा से भी भारी वाहनों को शहीद पथ पर चढ़कर अहिमामऊ या कमता की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें तेलीबाग, बाराबिरवा, करियप्पा अथवा हरीकंशगढ़ी किसान पथ के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा।हुसड़िया अण्डरपास की ओर से आने वाले सामान्य वाहनों को अहिमामऊ चौराहा और शहीद पथ कानपुर रोड तिराहा की ओर जाने से रोका जाएगा तथा उन्हें शहर क्षेत्र से होकर 1090 चौराहा के रास्ते आगे बढ़ना होगा। लालबत्ती चौराहा से भी भारी वाहन, बस और कामर्शियल वाहनों को अहिमामऊ, सुल्तानपुर रोड, रायबरेली रोड और कानपुर रोड की दिशा में जाने की अनुमति नहीं होगी।सुल्तानपुर रोड से आने वाले सामान्य यातायात को अमूल तिराहा से अहिमामऊ की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे वाहनों को अमूल तिराहा से ही लूलू मॉल कटिंग के माध्यम से शहीद पथ पर चढ़ाकर आगे भेजा जाएगा। इसी प्रकार सुल्तानपुर रोड से पुलिस मुख्यालय की ओर जाने वाले वाहनों को एचसीएल तिराहा और प्लासियो तिराहा के रास्ते जाने से रोका जाएगा और उन्हें अहिमामऊ चौराहा से दाहिनी ओर मोड़कर वैकल्पिक मार्ग से भेजा जाएगा।कमता शहीद पथ तिराहा से कानपुर की ओर जाने वाले वाहन अहिमामऊ रैम्प से नीचे नहीं उतर सकेंगे। इसके अतिरिक्त कमता से अहिमामऊ चौराहे पर यू-टर्न लेकर कैण्ट, पुलिस मुख्यालय या गोमतीनगर जाने वाले वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा। ऐसे वाहनों को शहीद पथ पर सीधे जाकर मेदान्ता अस्पताल के पास यू-टर्न लेना होगा। विशेष रूप से अहिमामऊ चौराहे पर सुबह 09:00 बजे से मैच समाप्ति तक यू-टर्न पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और रैम्प से उतरने वाले वाहनों को केवल बाईं दिशा में जाने की अनुमति होगी।अहिमामऊ चौराहे से प्लासियो की ओर जाने वाला यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहनों को एचसीएल तिराहा, संस्कृत तिराहा और ओवरहेड गोल चक्कर के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा। सुल्तानपुर रोड से आने-जाने वाले सभी बड़े वाहन, बस और कामर्शियल वाहनों को अहिमामऊ चौराहा की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी तथा उन्हें कबीरपुर तिराहा से किसान पथ के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा।यातायात पुलिस ने यह भी बताया है कि मैच के कारण सुबह 09:00 बजे से रात्रि 20:00 बजे तक शहीद पथ पर वाहनों का अत्यधिक दबाव रहने की संभावना है। ऐसे में कानपुर नगर, एक्सप्रेस-वे, बाराबिरवा तथा अमौसी की ओर जाने वाले वाहन चालकों को शहीद पथ के स्थान पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है।इकाना स्टेडियम की पार्किंग में जाने वाले बड़े वाहन, बस और कामर्शियल वाहनों को अहिमामऊ चौराहा होकर ही प्रवेश करना होगा। साथ ही दर्शकों को यातायात दबाव से बचने के लिए शहीद पथ के बजाय अर्जुनगंज और कैण्ट मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है।यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, स्कूली वाहन, फायर सर्विस और शव वाहन को चिकित्सकीय अपरिहार्यता की स्थिति में प्रतिबंधित मार्गों पर भी अनुमति दी जाएगी। नागरिक किसी भी आपात स्थिति या यातायात संबंधी जानकारी के लिए ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।यातायात पुलिस, लखनऊ ने सभी नागरिकों से अपील की है कि आईपीएल मैच के दौरान लागू डायवर्जन व्यवस्था का पालन करें और निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग करें।

रोटी में कीटनाशक मिलाकर वृद्धा की हत्या का आरोप, शव दफनाने के बाद खुला मामला; बहू और रिश्तेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ। थाना काकोरी क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक वृद्ध महिला को कथित रूप से रोटी में कीटनाशक मिलाकर खिलाने से मौत होने का आरोप लगा है। घटना के बाद बिना सूचना दिए शव को जमीन में दफना देने का भी मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस प्रकरण में बहू और एक अन्य रिश्तेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार दिनांक 10 अप्रैल 2026 को वादी मनोज पुत्र दिर्गज रावत, निवासी ग्राम इब्राहिम गंज, थाना काकोरी द्वारा थाना स्थानीय पर सूचना दी गई कि दिनांक 05 अप्रैल 2026 की शाम को उसकी पत्नी शालिनी देवी ने उसकी माता शांति देवी (उम्र लगभग 65 वर्ष) को रोटी में कीटनाशक दवा मिलाकर खिला दी।

NATO से बाहर निकलने की तैयारी में US

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में इस समय एक ऐसा तूफान उठ रहा है, जिसने दुनिया की सबसे मजबूत मानी जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था को हिला कर रख दिया है। हम आपको बता दें कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच बढ़ती खाई अब खुलकर सामने आ चुकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नाटो से बाहर निकलने की चर्चा ने साफ कर दिया है कि अब यह गठबंधन केवल औपचारिकता बनकर रह सकता है।

हम आपको याद दिला दें कि जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ा था तब नाटो के सहयोगी देशों ने इसमें खुलकर सैन्य भागीदारी करने से इंकार कर दिया था। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने इसे साफ शब्दों में नाटो की असफलता बताया। खुद ट्रंप ने नाटो को कागजी शेर तक करार दे दिया। उनका बयान केवल नाराजगी नहीं बल्कि चेतावनी था कि अमेरिका अब नाटो का बोझ अकेला नहीं उठायेगा।

देखा जाये तो ट्रंप का यह रुख अचानक सामने नहीं आया है। पिछले कुछ वर्षों से वह लगातार यूरोपीय देशों पर रक्षा बजट बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। नाटो के सदस्य देशों द्वारा सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने की सहमति भी इसी दबाव का परिणाम थी। लेकिन जब असली परीक्षा आई तो सहयोगी देश पीछे हट गए। यही वह क्षण था जिसने ट्रंप को यह कहने पर मजबूर कर दिया कि नाटो केवल कागजी शेर बनकर रह गया है।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटनाक्रम कई स्तरों पर बेहद महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यह ट्रांस अटलांटिक गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा हमला है। यदि अमेरिका वास्तव में नाटो से दूरी बनाता है तो यूरोप की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो सकती है। रूस जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए यह सुनहरा अवसर साबित होगा, क्योंकि यूरोप बिना अमेरिकी सैन्य समर्थन के कमजोर पड़ जाएगा।

एक और बड़ा पहलू है पश्चिम एशिया की बदलती रणनीतिक तस्वीर। होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर हुए तनाव और तेल आपूर्ति पर पड़े प्रभाव ने यह साफ कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा अब वैश्विक शक्ति राजनीति का केंद्र बन चुकी है। ट्रंप का यह कहना कि यह जिम्मेदारी उन देशों की है जो तेल पर निर्भर हैं, सीधे तौर पर यूरोप और एशिया को चेतावनी है कि वह अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित करें।

वहीं सबसे आक्रामक संकेत है अमेरिका द्वारा अपने सैन्य अड्डों को स्पेन और जर्मनी जैसे देशों से हटाने या कम करने की योजना। यदि यह कदम उठाया जाता है तो यह केवल सैन्य पुनर्संतुलन नहीं बल्कि एक प्रकार का रणनीतिक दंड होगा। इसका संदेश साफ है कि जो अमेरिका के साथ नहीं खड़ा होगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की जिद भी इस पूरे घटनाक्रम का अहम हिस्सा है। उन्होंने बार बार यह दोहराया है कि यह क्षेत्र अमेरिकी सुरक्षा के लिए जरूरी है। डेनमार्क और यूरोपीय देशों के विरोध के बावजूद यह मुद्दा अभी ठंडा नहीं पड़ा है। यह दिखाता है कि अमेरिका अब पारंपरिक कूटनीतिक सीमाओं को तोड़कर खुली रणनीतिक आक्रामकता की ओर बढ़ रहा है।

इस बीच, नाटो महासचिव मार्क रुटे और ट्रंप के बीच हुई बातचीत भले ही औपचारिक रूप से सकारात्मक बताई गई हो, लेकिन अंदर की कड़वाहट साफ झलक रही है। रुटे ने माना कि ट्रंप निराश हैं, जबकि ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि नाटो ने अमेरिका का साथ नहीं दिया।

इतिहास गवाह है कि नाटो की सबसे बड़ी परीक्षा 2001 में हुई थी, जब अमेरिका पर हमला हुआ और सभी सदस्य देशों ने उसका साथ दिया। लेकिन आज स्थिति उलट गई है। अब अमेरिका खुद को अकेला महसूस कर रहा है और यही असंतोष उसे गठबंधन से दूरी बनाने की ओर धकेल रहा है।

यदि अमेरिका नाटो से अलग होता है तो वैश्विक शक्ति संरचना बहुध्रुवीय हो जाएगी। चीन और रूस जैसे देश तेजी से अपने प्रभाव का विस्तार करेंगे। यूरोप को मजबूरन अपनी स्वतंत्र सैन्य नीति बनानी पड़ेगी, जबकि एशिया में भी नए सुरक्षा गठबंधनों का उदय हो सकता है। ट्रंप का आक्रामक रवैया यह संकेत देता है कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिक कठोर, स्वार्थ आधारित और टकरावपूर्ण होने वाले हैं। बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि नाटो संकट उस पूरी व्यवस्था का संकट है जिसने दशकों तक दुनिया को एक ढांचे में बांधकर रखा। अब यह ढांचा दरक रहा है और इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। यही कारण है कि यह घटनाक्रम आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति की दिशा तय करेगा।

तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका कितनी !

1966 से भाषाई आधार पर राज्यों के गठन में तमिल भाषा बोल ने वाले क्षेत्र को तमिलनाडु राज्य बनाया गया। इससे मद्रास प्रेसीडेंसी के सभी भाग समाहित किए गए।

अजय दीक्षित

भारत दक्षिण में अरब सागर और हिन्दमहासगर को मिलाने वाले राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव है।234 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके और स्व जयललिता की एआईडीएमके के बीच है।इस बार एआईडीएमके एनडीए के घटक बनकर, भारतीय जनता पार्टी के साथ चुनाव लड़ रही है। भारतीय जनता पार्टी को 27 सीट पर चुनाव लड़ना है।वही अभिनेता विजय की पार्टी एमडीएम अलग से सभी सीट पर चुनाव मैदान में है।

तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के लिए अभी भी दूर की कौड़ी है। यद्यपि उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन यही से आते हैं वे कोयम्बतूर से दो बार 1998,99 में सांसद निर्वाचित हुए थे।2014 में एक राधाकृष्णन भी कन्याकुमारी से सांसद रहे हैं। लेकिन विधानसभा चुनाव में खाता नहीं खुला है।केरल की तरह यहां पर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य है।

अगर इस बार के विधानसभा चुनाव की बात करे तो स्टालिन के साथ दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर है लेकिन स्टालिन अभी भी सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। एआईडीएमके में कोई विशेष नेता नहीं है यद्यपि पनीर स्वामी, पानीसेलवम दोनों दावेदारी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि हम दोनों को स्वीकार करेंगे।

1966 से भाषाई आधार पर राज्यों के गठन में तमिल भाषा बोल ने वाले क्षेत्र को तमिलनाडु राज्य बनाया गया। इससे मद्रास प्रेसीडेंसी के सभी भाग समाहित किए गए। तत्कालीन समय में कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज नाडार मुख्यमंत्री बने लेकिन पेरियार नामक संत ने डीएमके की हिंदी भाषा के विरोध में राजनीत शुरू की। पेरियार के शिष्य अन्नादुरई ने डीएमके यानि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम,ये शब्द तमिल भाषा से लिया गया है। इसका अर्थ है कि तमिलनाडु राज्य आंदोलन जो पेरियार ने शुरू किया था।दरअसल तमिलनाडु भारत का एक ऐसा राज्य है जो दक्षिण भारत का लीडर है।तमिल ,तेलगु, मलयालम, और कन्नड़ ये ऐसी भाषाएं हैं जो संस्कृत से बनी यद्यपि इनकी लिपि देवनागरी नहीं है लेकिन संस्कृत ही त्रेता युग से जुड़ी है। तमिल नाडु में रामेश्वरम है जहां भगवान शिव पधारे हैं कहते हैं कि रामेश्वरम में भगवान श्री राम ने रावण को हराने के लिए यज्ञ किया था और शिव लिंग की स्थापना की थी , तमिलनाडु में ही मीनाक्षीपुरम मंदिर है जहां भगवान-विष्णु लक्ष्मी माता के साथ बिराजी है।

डीएमके के लोग कवि त्रिबल्लूर को मानते हैं।डीएमके के प्रमुख रहे स्व करुणानिधि हिंदू देवी देवताओं को नहीं मानते थे।वे राज्य के जीवन में कई बार मुख्यमंत्री रहे अब उनके पुत्र स्टालिन मुख्यमंत्री है । करुणानिधि ने पेरियार के हिन्दी भाषा विरोध को कायम रखा।अब स्टालिन भी उन्हीं के पद चिन्हों पर है । स्व करुणानिधि से अलग होकर सिने अभिनेता एम जी रामचंद्रन ने एआईडीएमके बनाई वे कई बार मुख्यमंत्री रहे उनके बाद बिरसात में जयललिता मुख्यमंत्री बनी।वे तमिलनाडु की जन नेता थी। लेकिन 2021 में स्टालिन मुख्यमंत्री बने ।2026 विधानसभा चुनाव में डीएमके तमिल भावनाओं को लेकर चुनाव में है ।जबकि एआईडीएमके एनडीए से मिलकर महंगाई, भ्रष्टाचार,को मुद्दे पर चुनाव मैदान में है।

भारतीय जनता पार्टी अभी जल्दी में नहीं है वह अभी कोई अपना लीडर तलाश रही है। हालांकि 27 सीट पर चुनाव मैदान में है क्योंकि एआईडीएमके के साथ है।

टिप्पणी

अनाज से ज्यादा अहम और क्या

भारत अपनी 30 फीसदी उर्वरक जरूरत के लिए आयात पर निर्भर है। मगर, कई उर्वरक जो देश में बनते हैं, उनकी इनपुट सामग्रियों पर ध्यान दें, ये तो निर्भरता 70 फीसदी तक बढ़ जाती है। क्या ये स्वस्थ स्थिति है?

अभी पिछले साल ही अमेरिका से व्यापार युद्ध के सिलसिले में जब चीन ने उर्वरकों का निर्यात रोका, तो उससे भारत भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ था। उसके पहले 2022 में रूस-यूक्रेन की लड़ाई शुरू हुई, तब भी भारत को उर्वरक आपूर्ति की समस्या से जूझना पड़ा था। अब पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से उससे भी बड़ी समस्या खड़ी होती दिख रही है। युद्ध के लंबा खिंचने के साथ देश में उर्वरकों की उपलब्धता की चिंता हर दिन अधिक गहराती जा रही है। ध्यान देने की बात है कि उर्वरकों का संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से है। किसी भी देश की सर्वोच्च प्राथमिकता खाद्य के मामले में आत्म-निर्भरता होनी चाहिए।

लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज खेती-बाड़ी से जुड़ी अनिवार्य चीजों के मामले में भी भारत दूसरे देशों पर निर्भर बना हुआ है। मोटे आंकड़ों के मुताबिक भारत अपनी 30 फीसदी उर्वरक जरूरत के लिए आयात पर निर्भर है। मगर, कई उर्वरक जो देश में बनते हैं, उनकी इनपुट सामग्रियों पर ध्यान दिया जाए, ये तो निर्भरता 70 फीसदी तक बढ़ जाती है। क्या ये स्वस्थ स्थिति है? पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक इस मामले में भारत सबसे ज्यादा निर्भर रूस (18.1 प्रतिशत), सऊदी अरब (15.7), चीन (15) और मोरक्को (14.8 प्रतिशत) पर था। जॉर्डन, ओमान, कतर, यूएई और मिस्र अन्य देश हैं, जिनसे भारत उर्वरक के इनपुट आयात करता है।

फिलहाल पश्चिम एशिया वाले तमाम देशों से आयात कठिन हो गया है। वहां जारी युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन सामग्रियों की कीमत में भी भारी उछाल आया है। इसका बोझ सरकारी खजाने पर पड़ेगा। पिछले साल केंद्र ने उर्वरक सब्सिडी के तौर पर 1.87 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस वर्ष इस मद में 1.71 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं। जाहिर है, वास्तविक खर्च इससे काफी ज्यादा होगा। बहरहाल, मामला सिर्फ सब्सिडी बजट का नहीं है। मुद्दा है कि इस बारे में दीर्घकालिक योजना क्यों नहीं बनाई जाती? क्यों नहीं इनपुट के स्रोतों का विस्तार कर उर्वरक उत्पादन का कार्य अपने देश में किया जाता? आखिर अनाज से ज्यादा अहम और क्या है?

ब्लॉग राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस (11 अप्रैल) पर विशेष

गर्भवती की समय पर कराएं सभी जरूरी जांच ताकि जच्चा-बच्चा पर न आए कोई आंच

मुकेश कुमार शर्मा

गर्भवती और नवजात के खास देखभाल पर सरकार और स्वास्थ्य विभाग का पूरा जोर है। प्रसव पूर्व जरूरी चार बार की जांच के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत महीने की एक, नौ, 16 और 24 तारीख को स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा गर्भवती के जांच की विशेष व्यवस्था की जाती है। गर्भवती के पोषण का ख्याल रखने के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत बैंक खाते में निर्धारित धनराशि देने की भी व्यवस्था है। स्वास्थ्य केन्द्रों पर गुणवत्तापूर्ण प्रसव सुविधाएँ और एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध हैं। प्रसव बाद भी जच्चा-बच्चा की देखभाल की खास व्यवस्था है। यह सारी व्यवस्थाएं इसलिए की गयी हैं ताकि जच्चा-बच्चा का जीवन खुशहाल बन सके और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर के आंकड़े में कमी लायी जा सके। इस बारे में समुदाय में जागरूकता की अलख जगाने के साथ ही हर साल 11 अप्रैल को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का मूल मकसद समुदाय के हर वर्ग को यह बताना है कि जच्चा-बच्चा की खुशहाली के लिए सरकार द्वारा की गयीं व्यवस्थाओं का लाभ उठाने के लिए लोग आगे आयें और जच्चा-बच्चा का जीवन खुशहाल बनाएं।

प्रसव पूर्व चार जरूरी जांच का महत्व इसलिए भी है कि अगर किसी तरह का जोखिम हो तो उसे समय रहते दूर किया जा सके। जांच में यह जरूर पता किया जाता है कि गर्भवती का दो या उससे अधिक बार बच्चा गिर तो नहीं गया है या एबार्शन तो नहीं हुआ है। बच्चे की पेट में मृत्यु हो गयी हो या पैदा होते ही मृत्यु हो गयी हो, कोई विकृति वाला बच्चा पैदा हुआ हो, प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव हुआ हो या पहला प्रसव बड़े आपरेशन से हुआ हो तो उसे जटिलता वाली गर्भवती (एचआरपी) के रूप में चिन्हित कर सुरक्षित प्रसव के हरसम्भव प्रयास किए जाते हैं। इसके साथ ही यह भी पता किया जाता है कि गर्भवती को पहले से कोई बीमारी तो नहीं है, जैसे- उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, दिल, गुर्दे, मिर्गी या टीबी की बीमारी, पीलिया, लीवर की बीमारी, हाइपो थायराइड आदि। यदि इस तरह की कोई बीमारी गर्भवती में पहले से है तो भी उसकी खास देखभाल कर सुरक्षित मातृत्व सुख प्रदान करने की पूरी कोशिश की जाती है। वर्तमान गर्भावस्था की बारीकी से परख की जाती है ताकि समय से पता चल सके कि गर्भवती गंभीर एनीमिया (सात ग्राम से कम हीमोग्लोबिन) की शिकार तो नहीं है। ब्लड प्रेशर की जांच कर उसे सामान्य रखने की कोशिश की जाती है। गर्भ में बच्चा आड़ा या तिरछा तो नहीं है। चौथे महीने के बाद खून आना, गर्भावस्था में डायबीटीज का पता चलना या एचआईवी या किसी अन्य बीमारी से ग्रसित होने का पता चलता है तो विशेष प्रबन्धन कर सुरक्षित प्रसव कराने की कोशिश की जाती है। इसलिए जच्चा-बच्चा की खुशहाली इसी में है कि गर्भावस्था का पता चलते ही जल्दी से जल्दी निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में पंजीकरण कराएं ताकि सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राप्त करने की हकदार बन सकें।

प्रसव से पहले प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा जांच करने से गर्भवती को सभी जरूरी परामर्श भी मिल जाते हैं, जिसका पालन करते हुए वह सुरक्षित मातृत्व सुख का लाभ उठा सकती हैं। इसके साथ ही उन्हें परिवार नियोजन की सुविधाओं के बारे में भी अवगत कराया जाता है ताकि वह अपने मनमुताबिक साधनों को अपनाकर दूसरे बच्चे की योजना तीन साल बाद ही आसानी से बना सकें, क्योंकि प्रसव के तीन साल बाद ही महिला का शरीर दूसरे गर्भधारण के योग्य बन पाता है। महिलाओं, युवतियों और किशोरियों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए ताकि जरूरत के मुताबिक़ शरीर को आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन मिलता रहे और एनीमिया की गिरफ्त में वह न आने पायें। इसके लिए जरूरी है कि वह ऐसे खाद्य पदार्थों को अपनी थाली में शामिल करें जो कि इन गुणों से भरपूर होते हैं। गर्भवती खाने में हरी साग-सब्जी, फल का ज्यादा इस्तेमाल करें और चिकित्सक की सलाह के मुताबिक़ आयरन और कैल्शियम की गोलियों का सेवन करें। प्रसव का समय निकट आने पर सुरक्षित प्रसव के लिए घर-परिवार की सलाह से निकटतम अस्पताल का चयन पहले से कर लेना चाहिए। रजिस्ट्रेशन के समय मिले मातृ-शिशु सुरक्षा कार्ड, जरूरी कपड़े साथ रखें और एम्बुलेंस का नम्बर भी याद रखें, ताकि किसी आपात स्थिति का प्रबन्धन आसानी से किया जा सके। इसमें स्थानीय आशा कार्यकर्ता भी अहम भूमिका निभा रही हैं। गर्भावस्था का पता चलते ही रजिस्ट्रेशन कराने से लेकर संस्थागत प्रसव के लिए गर्भवती को अस्पताल तक पहुँचाने और मनोबल बढाने के लिए वह हर वक्त उनके साथ मुस्तैद रहती हैं।

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए ही सरकार द्वारा जननी सुरक्षा योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत उनको एक निर्धारित राशि भी दी जाती है और गर्भवती को एम्बुलेंस से घर से अस्पताल लाने और घर तक पहुंचाने की भी व्यवस्था की जाती है। प्रसव के बाद 48 घंटों तक अस्पताल में रोककर जरूरी देखभाल के साथ जरूरी टीकाकरण भी किया जाता है। जन्म के तुरंत बाद नवजात की देखभाल के लिए जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम भी संचालित किया जाता है। इसके अलावा सुरक्षित मातृत्व आश्वासन योजना (सुमन) भी संचालित की जा रही है, जिसके तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती और नवजात को प्रसव के बाद छह महीने तक निःशुल्क, सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसका भी उद्देश्य मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को शून्य पर लाना है। इसलिए आज के दिन घर के बड़े-बुजुर्गों को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह परिवार की गर्भवती को सभी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए गर्भावस्था का पता चलते ही स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर रजिस्ट्रेशन जरूर कराएँगे और समय-समय पर जरूरी जांच के साथ खानपान का भी पूरा ख्याल रखेंगे ताकि जच्चा-बच्चा को खुशहाल जीवन प्रदान करने का सौभाग्य उन्हें मिल सके।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

आप लेटेस्ट और बेस्ट हैं... नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की जेन जी की तारीफ

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार को नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह हुआ। इसमें 20 पीएचडी समेत 200 से ज्यादा छात्रों को उपाधि देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं BABY BOOMER और आप GEN Z, आपकी पीढ़ी लेटेस्ट और बेस्ट है। GEN Z को लेकर अक्सर गलत धारणा बनाई जाती है लेकिन सच्चाई अलग है। आपकी जेनरेशन कोलैबोरेशन में विश्वास रखती है। आपके अंदर फ्लेक्सिबिलिटी है। GEN Z अकाउंटेबल भी हैं। आपका इनोवेशन पर जोर है। उन्होंने कहा कि

जब अनुभव और ऊर्जा मिलेगी तो विकास को गति मिलेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हनुमान जी को उनकी शक्ति याद दिलाई गई, GEN Z भी ऐसी है। बाबा साहब की जयंती आने वाली है, उनके जीवन में बाधाएं आईं लेकिन उन्होंने शिक्षा और संघर्ष के चलते इतिहास बदला। बच्चों को बाबा साहब के जीवन से कुछ न कुछ सीखना चाहिए।

राजनाथ सिंह ने कहा, अटल बिहारी बाजपेई ने कहा था कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि सामान्य व्यक्ति 10 हजार दिन काम करता है, 80 हजार घंटे काम को देता है। काम सिर्फ पैसे कमाने के लिए नहीं बल्कि काम खुशी ढूंढकर करें। कोई भी काम उद्देश्य और बड़े दृष्टिकोण के साथ होना चाहिए।

पाकिस्तानी अपनी एनर्जी से टेररिज्म बढ़ा रहा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तानी अपनी एनर्जी से टेररिज्म बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, टेक्नोलॉजी और टैलेंट का इस्तेमाल प्रॉफिट के लिए ज्यादा और जिंदगी को सुकून देने पर कम इस्तेमाल हो रहा है। AI का इस्तेमाल मानव जीवन बचाने के लिए होना चाहिए लेकिन इसका इस्तेमाल कमर्शियल एक्टिविटी में हो रहा है। दीक्षांत समारोह में यूनिवर्सिटी के संस्थापक जयवीर सिंह, चांसलर विक्रम सिंह, चेयरमैन देवेश कुमार सिंह, प्रो-चांसलर अभिमन्यु सिंह और कुलपति उमा भारद्वाज समेत कई अन्य अतिथि शामिल हुए।

कर्मचारियों की समस्याओं पर लगेगी चौपाल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ एवं ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन जौनपुर द्वारा लिए गए निर्णय के अनुरूप संयुक्त रूप से दोनों संगठनों के गठित केंद्रीय समन्वय समिति के बैनर तले प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को विकास भवन परिसर में क्षेत्रीय कर्मचारी समस्या सुनवाई दिवसष का आयोजन होगा। इस संबंध में उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जौनपुर के जिला अध्यक्ष डॉ0 प्रदीप सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी पत्र मे व्यवस्था है कि प्रत्येक माह जिलाधिकारी एवं अन्य विभागाध्यक्षों द्वारा मान्यता प्राप्त सेवा संगठनों के पदाधिकारियों के साथ विभिन्न कर्मचारी समस्याओं पर वार्ता किया जाएगा तथा जनपद स्तर की समस्याओं का निराकरण अपने स्तर से किया जाएगा। जिसका जनपद के उच्च अधिकारियों द्वारा कर्मचारी संगठनों की मांग के बाद भी पालन नहीं किया जा रहा है जिससे कर्मचारियों में हताशा एवं क्षोभ व्याप्त है। अतः पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्रीय कर्मचारियों के जनपदीय पदाधिकारियों द्वारा अब प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को कर्मचारियों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने हेतु क्षेत्रीय कर्मचारी समस्या सुनवाई दिवसष कर्मचारी चैपाल लगाने का निर्णय लिया गया है। इस संदर्भ में प्रथम चैपाल दिनांक 11 अप्रैल 2026 को विकास भवन परिसर जौनपुर में लगाया जाएगा जिसमें जनपद के समस्त विकास खंडों से क्षेत्रीय सचिव एवं सहायक विकास अधिकारी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। कर्मचारी चैपाल में विकासखंड से लेकर जनपद स्तर तक सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में कर्मचारियों के समक्ष आ रही विभिन्न समस्याओं एवं उनके विलंबित व्यक्तिगत पावकों पर विस्तृत चर्चा होगी तथा उसकी कार्यवृत्ति जनपद के उच्च अधिकारियों के समक्ष समाधान हेतु रखा जाएगा। ग्राम विकास अधिकारी संगठन के अध्यक्ष डॉ फूलचंद कनौजिया ने अवगत कराया कि वर्तमान में शासन प्रशासन द्वारा आम जनता की समस्याओं को सुनने के लिए विभिन्न दिवस एवं समय तय कर रखा गया है लेकिन कर्मचारियों की समस्या सुनने वाला कोई नहीं है केंद्रीय समन्वय समिति के दोनों पदाधिकारियों ने जनपद के समस्त क्षेत्रीय कर्मचारियों एवं अधिकारियों से कर्मचारी चैपाल दिवस में सहभागिता करने की अपील किया है।

विश्व होम्योपैथिक दिवस पर मेडिकल कॉलेज में भव्य आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की 271वीं जयंती के अवसर पर विश्व होम्योपैथिक दिवस के रूप में आज राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं जिला चिकित्सालय सुल्तानपुर के आयुष विभाग में बड़े धूमधाम के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. ए.सी गुप्ता द्वारा डॉ. हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ. ए.सी. गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सहज, सरल एवं जनसामान्य के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में इस पद्धति की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है और लोगों में इसके प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। कार्यक्रम के आयोजक डा.

राघवेनद्र सोनकर ने होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनिमैन के जीवन एवं उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डा. तारिक खान, डा. संतोष श्रीवास्तव फार्मासिस्ट विनय जायसवाल, अखिलेश कुमार, सूर्यभान, लैब टेक्नीशियन विकास पाण्डेय, रुद्र प्रताप, सुमन मिश्रा, नगमा बेगम, मोहम्मद अजीज, प्रदीप कुमार, अरविंद कुमार सहित मेडिकल कॉलेज के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

काली माता मंदिर के महंत को जूना अखाड़े ने हटाया, भारी पुलिस बल के बीच बदला मैनेजमेंट

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के मुगलपुरा इलाके के प्रसिद्ध लालबाग प्राचीन सिद्ध पीठ श्री काली माता मंदिर (मिश्री गिरि जी का टीला) में प्रबंधन और कार्यशैली को लेकर चल रहे लंबे विवाद पर श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि महाराज के निर्देश पर मंदिर के पुराने महंतों को पदमुक्त कर नई नियुक्तियों की घोषणा की गई है।

दरअसल, जनता की लगातार मिल रही शिकायतों और अनुशासनहीनता के आरोपों के चलते महंत सज्जन गिरि और महंत राम गिरि का स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से प्रयागराज के लिए कर दिया गया है। जूना अखाड़े के प्रवक्ता महंत

नारायण गिरि ने कहा कि इन महंतों को सुधार के लिए पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए गए थे, किंतु स्थितियों में बदलाव न होने पर अखाड़ा कार्यकारिणी ने यह कदम उठाया है। नारायण गिरि की अध्यक्षता वाली टीम द्वारा सौंपी गई विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर अखाड़ा महासभा ने इस परिवर्तन पर मुहर लगाई है। अखाड़े के पदाधिकारियों ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मंदिर परिसर का कार्यभार अपने हाथों में लिया और नए प्रबंधकों व पुजारियों को दायित्व सौंपकर सनातन परंपरा के अनुसार पूजन संपन्न कराया है। कार्रवाई स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए पूरी की गई है।

मुरादाबाद का काली माता मंदिर इलाके में पूरी तरह पुलिस छावनी में तब्दील नजर आया है। अखाड़े की टीम जैसे ही मंदिर पहुंची, सुरक्षा के लिहाज से श्रद्धालुओं को परिसर से बाहर निकाल दिया गया और मंदिर के सभी कमरों व माता के भवन के द्वारों पर नए ताले जड़ दिए गए, ताकि संपत्ति और सामान को सुरक्षित रखा जा सके। इस दौरान हटाए गए महंतों द्वारा विरोध का प्रयास भी किया गया था। महंत सज्जन गिरि को पुलिस की सहायता से कमरे से बाहर निकालना पड़ा, जबकि वह टीम से गुहार लगाते रहे थे।

अखाड़े द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार, अब मंदिर के प्रबंधक के रूप में महंत महाकाल गिरि और सहायक प्रबंधक के रूप में महंत हितेश्वर गिरि को कमान सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त, पूजा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए महंत वशिष्ठ गिरि को नीचे वाले मंदिर और महंत इच्छा गिरि को ऊपर वाले मंदिर का मुख्य पुजारी नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर, स्थानांतरित किए गए महंत राम गिरि को प्रयागराज के दत्त मंदिर और महंत सज्जन गिरि को दशाश्वमेध घाट स्थित जूना अखाड़ा में तैनात किया गया है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा। पुलिस के अनुसार, यह अखाड़े का आंतरिक फैसला था और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। अब मंदिर की आरती, पूजा और अन्य प्रशासनिक गतिविधियां पूरी तरह से जूना अखाड़ा की '13 मणि' शाखा के नियंत्रण में रहेंगी, जिससे इस ऐतिहासिक सिद्ध पीठ की गरिमा और व्यवस्था को पुनः स्थापित किया जा सके।

लोन चुकाने के लिए बना फर्जी इनकम टैक्स अफसर, दुकानदारों से करता था वसूली, गाजीपुर में गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस ने फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर दुकानदारों से वसूली करने वाले मुख्य आरोपी सरस कुमार गुप्ता को घटना के छह दिन बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से नकली पहचान पत्र और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। पूछताछ में उसने अपने लोन की रकम चुकाने के लिए फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर लूट करने की योजना बनाई थी।

मामला 2 अप्रैल 2026 का है, जब शादियाबाद चौराहे पर एक व्यक्ति खुद को आयकर अधिकारी बताकर दुकानदारों को डरा-धमका रहा था और उनसे पैसे वसूल रहा था। आरोपी नकली पहचान पत्र दिखाकर कार्रवाई का भय दिखाता था, और छापेमारी के दौरान पूरी तरह

से स्पेशल 26 की तर्ज पर अपनी पूरी टीम जिसमें करीब 7 से 8 लोग शामिल थे, लेकर पहुंचा था। इसके साथ दो बाउंसर भी थे और कई दुकानों से वसूली किया था। जब दुकानदारों को शक हुआ तब उन लोगों ने अन्य व्यापारियों से वसूली से पहले पकड़ा और फिर पुलिस को बुलाया।

हालांकि पुलिस के आने तक मुख्य आरोपी सरस गुप्ता फरार हो गया था, जबकि उसके चाचा सहित दोनों बाउंसर को पुलिस ने पकड़ा था। शादियाबाद थाने में चार नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा था। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया था।

फर्जी आईडी और दो मोबाइल फोन बरामद

8 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने सराय सदकर गांव के पास से मुख्य आरोपी सरस कुमार गुप्ता को रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से इनकम टैक्स विभाग के चीफ कमिश्नर के नाम की एक फर्जी आईडी और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी सरस कुमार गुप्ता गाजीपुर जिले के सादात थाना क्षेत्र के ग्राम सादात का निवासी है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

कई कंपनियों से ले रखा था लोन

अपर पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि सरस कुमार गुप्ता पर कई बार लिए गए लोन का बकाया था। कुछ दिनों पहले लोन को लेकर अपने को क्षेत्र में इनकम टैक्स अधिकारी चयनित होने की बात कही थी और संभावना है कि उसी भरपाई के लिए इस तरह का उसने कदम उठाया।

ट्रांसफार्मर की चिंगारी से गेहूं की फसल राख

जौनपुर। सुरेरी क्षेत्र के सिठुपुर गांव में गुरुवार को खेत किनारे लगे बिजली के ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट होने से निकली चिंगारी खेत में गिर गई, जिससे रमेश बहादुर सिंह पुत्र स्व. सीताराम सिंह के खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और करीब एक बीघा गेहूं की तैयार फसल जलकर राख हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज हवा के चलते आग तेजी से फैल गई, जिससे किसान को संभलने का मौका नहीं मिला। ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी।घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। इस आगजनी से किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को मुआवजा देने की मांग की है।मौके पर पहुंचे लेखपाल साहब लाल पटेल ने मौका मुआयना किया।

निर्वाचक नामावलियों का हुआ अंतिम प्रकाशन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के आलेख्य प्रकाशन एवं अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित राजनैतिक दल के प्रतिनिधिगण को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान दावा एवं आपत्ति अवधि 06 जनवरी से 06 मार्च तक नागरिकों से दावे व आपत्तियां ली गई, इसी अवधि में गणना चरण में मिलान न कराने वाले मतदाताओं तथा मिलान में तार्किक विसंगति वाले मतदाताओं को एवं सुनवाई चरण 06 जनवरी से 27 मार्च तक निर्गत नोटिस एवं पूर्ण की गई सुनवाई से संबंधित आंकड़े इस प्रकार हैं। मिलान न कराने वाले (नो मैपिंग) मतदाताओं की कुल संख्या 289452, मिलान में तार्किक विसंगतियों वाले मतदाताओं की संख्या 563263 है, जेनरेटेड नोटिस की कुल संख्या 852715 है तथा 27 मार्च 2026 तक सुनवाई हेतु उपस्थित मतदाताओं की संख्या 840821 है। 10 अप्रैल 2026 को अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में मतदाताओं का विवरण इस प्रकार है, पुरुष मतदाता 1732222, महिला मतदाता 1486556 तथा तृतीय लिंग 119 है, इस प्रकार कुल मतदाता 3218897 है। इसके साथ ही विधानसभावार मतदाताओं की संख्या से भी अवगत कराया गया जो इस प्रकार है, विधानसभा क्षेत्र 364-बदलापुर में 330446, 365- शाहगंज में 381806, 366-जौनपुर में 401871, 367-मल्हनी में 341284, 368-मुंगराबादशाहपुर में 349094, 369-मछलीशहर में 365941, 370-मडियाहू में 313529, 371-जाफराबाद में 350740, 372-केराकत में 384186 मतदाता है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण- 2026 प्रारम्भ होने के पश्चात पारदर्शिता और सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण के साथ जनपद स्तर पर लगातार बैठके आयोजित की गई तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा उनसे फीडबैक और सुझाव भी प्राप्त किये गये। सभी के साथ समन्वय करते हुए विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संपूर्ण कार्यक्रम को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया गया।

आधा दर्जन गुमटियां आग की भेट चढ़ी

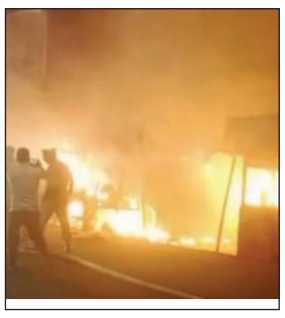

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र में वाजिदपुर तिराहे के पास सिटी टावर से पहले सड़क किनारे बनी आधा दर्जन गुमटियों में शुक्रवार तड़के करीब चार बजे आग लग गई। जिसमें रखा सभी सामान राख होगया। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड टीम के साथ दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची। आग ने विकराल रूप ले लिया था, जिस पर काबू पाने में टीम को घंटों का समय लगा। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वे सुबह करीब 4 बजे मॉर्निंग वॉक पर जा रहे थे, तभी उन्होंने अचानक आग लगी देखी। उन्होंने तुरंत लोगों को फोन कर सूचना दी, जिसके बाद दुकान मालिक मौके पर पहुंचे और फायर स्टेशन को सूचित किया गया। फायर ब्रिगेड ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया।पीड़ित दयाराम प्रजापति ने बताया कि उनकी नाश्ते की दुकान थी। आग लगने से लगभग 60 से 65 हजार रुपये का सामान जलकर राख हो गया है। एक अन्य पीड़ति बबलू प्रजापति ने बताया कि उनकी भी नाश्ते की दुकान पूरी तरह जल गई है, जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मदद की अपील की है।

अमहट में सैयद अली खामनाई के चेहलुम की मजलिस का आयोजन आज

सुल्तानपुर। मोमनीन अमहट की तरफ से शनिवार को रात 8 बजे हुसैनिया नौ तामीर अमहट सुलतानपुर में सैयद अली खामनाई रिजवान उल्लाह अलैहा जो मुस्लिमों के धर्म गुरु और ईरान के सर्वोच्च लीडर थे उनके ऐसाले सवाब आत्मा कीशान्ति के लिए उनके चेहलुम की मजलिस का आयोजन क्रिया गया है। जिसको मौलाना कल्बे जव्वाद नकवी लखनऊ व मौलाना मिर्जा शफीक हुसैन शफक लखनऊ पढ़ेंगे। याद रहेजब भी हमारे यहां किसी का देहांत होता है तो उसकी आत्मा की शान्ति के लिए अपने ग़म को भुलाने के लिए मजलिस का आयोजन कर कर्बला के शहीदों को याद किया जाता है। उसी उपलक्ष में यह प्रोग्राम रखा गया है जिसमें मौलाना कलबे अब्बास खान ने लोगों से पहुंचने की अपील की है। इसकी जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुलतानपुर ने दी है।

17 करोड़ की प्रॉपर्टी, 9 साल बाद एफआईआर... नोट पर सोने वाला रिटायर्ड अफसर कैसे फंस गया? कहानी केशव लाल के काली कमाई की

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश में सेल टैक्स विभाग के रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आखिरकार नौ साल की लंबी जांच के बाद आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला दर्ज कर लिया गया है। कानपुर विजिलेंस टीम ने 8 अप्रैल 2026 को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की। जांच में पाया गया कि केशव लाल ने अपने पूरे सरकारी करियर में वैध स्रोतों से मात्र 1 करोड़ 34 हजार रुपए की आय अर्जित की, लेकिन उन्होंने करीब 18 करोड़ 27 लाख रुपए खर्च कर डाले। इस तरह उनकी आय से 17 करोड़ 26 लाख रुपए अधिक संपत्ति पाई गई। 19 अप्रैल 2017 को आयकर विभाग की टीम ने केशव लाल के नोएडा सेक्टर-34 और कानपुर के लखनपुर इलाके में किराए के मकान स्थित दोनों घरों पर एक साथ छापा

मारा था। उस वक्त केशव लाल कानपुर में तैनात थे। छापे में चौंकाने वाली रकम बरामद हुई। नोएडा के घर से 10 करोड़ रुपए नकद और 3 करोड़ रुपए के जेवरात, कानपुर के किराए के मकान से 4 करोड़ रुपए नकद, नोटों की गड्डियां गद्दों में, बाथरूम के बंद फ्लश टैंकों में, पूजा कक्ष में, अलमारी और बेडरूम के तीन बड़े गत्तों में छिपाई गई थीं। इसके अलावा करोड़ों रुपए की अचल संपत्ति भी उनके नाम पर पाई गई।

केशव लाल मूल रूप से चंदौली जिले के बम्हनियांव गांव के रहने वाले हैं। 2017 में उनकी तैनाती कानपुर में थी। वह लखनपुर इलाके में 10 हजार रुपए मासिक किराए के एक मकान b2 कमरे, 2 बाथरूम, किचन व डाइनिंग स्पेस में अकेले रहते थे। उनका परिवार नोएडा में रहता था। उनकी एक बेटी की शादी दिसंबर 2016 में नोएडा से हुई थी। छापे के महज एक महीने बाद मई 2017 में उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई थी और मामला विजिलेंस विभाग को सौंप दिया गया था।

विजिलेंस की 9 साल लंबी जांच

19 सितंबर 2023 से विजिलेंस विभाग ने जांच तेज कर दी। जांच के दौरान चंदौली, कानपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद, नोएडा और लखनऊ में केशव लाल की बहुमूल्य संपत्तियों के दस्तावेज मिले। लखनऊ में उनके नाम दो, जबकि कानपुर, प्रयागराज, गाजियाबाद और नोएडा में एक-एक कीमती संपत्ति पाई गई। 6 जनवरी 2026 को विजिलेंस ने अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप दी। रिपोर्ट के आधार पर मंजूरी मिलने के बाद 8 अप्रैल 2026 को कानपुर में FIR दर्ज कराई गई।

नोएडा में रहते हैं केशव लाल

FIR में कहा गया है कि केशव लाल की वैध आय मात्र 1 करोड़ 34 हजार रुपए थी, जबकि उन्होंने 18 करोड़ 27 लाख रुपए खर्च किए। इस अंतर को लेकर अब उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू हो गई है। केशव लाल फिलहाल नोएडा के सेक्टर-34 में रह रहे हैं।

9 साल बाद केशव लाल के खिलाफ एफआईआर

एफआईआर दर्ज होने के बाद अब उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू होने वाली है। यह मामला उन गिने-चुने मामलों में शामिल है, जिसमें एक सरकारी अधिकारी के घर से 17 करोड़ से ज्यादा की नकदी और जेवरात बरामद होने के 9 साल बाद भी एफआईआर दर्ज हुई है।

कभी बारिश, कभी गर्मी... बदलते मौसम में बच्चे को खांसी-जुकाम से ऐसे बचाएं

बदलते मौसम में सर्दी-खांसी की समस्या बच्चों को जल्दी हो जाती है. दिल्ली समेत देश के अधिकतर हिस्सों में बारिश से ठंडा मौसम बना हुआ है. लेकिन बीच-बीच में गर्मी भी हो रही है. ऐसे में बच्चों को जुकाम का खतरा बना रहता है. इम्यूनिटी बूस्टिंग के लिए इन तरीकों को आजमाएं

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अधिकतर हिस्सों में कभी बारिश तो कभी धूप-गर्मी का मौसम बना हुआ है। ऐसे में उन लोगों को सर्दी-जुकाम जल्दी हो जाती है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर हो। बच्चों पर इसका डर ज्यादा बना रहता है। बदलते मौसम में जुकाम या कोल्ड-कफ की प्रॉब्लम लोगों को जल्दी अपनी चपेट में ले लेती है। दरअसल, कोविड के बाद अधिकतर लोग इम्यूनिटी के लिए अलर्ट हो गए हैं लेकिन इस बीमारी के बाद जन्मे ज्यादातर बच्चों लो इम्यून सिस्टम का शिकार हैं। मौसम में बदलाव के कारण शरीर का तापमान इससे प्रभावित होता है और खांसी-जुकाम की शिकायत हो जाती है। कमजोर इम्यून सिस्टम के अलावा लोगों का खानपान भी इस तरह का है कि पोषक तत्व भी नहीं मिल पाते हैं।

ऐसे में कई बीमारियां भी लोगों को छोटी उम्र में ही अपना शिकार बना रही हैं। चलिए आपको बताते हैं कि बदलते मौसम के बीच कोल्ड से बच्चों को किस तरह सेफ रखा जा सकता है। अगर किसी को खांसी-जुकाम हो गई है तो उसे किन नेचुरल तरीकों से ठीक किया जा सकता है।

मौसम में बदलाव के कारण खांसी-जुकाम

ये सवाल या कंफ्यूजन बनी रहती है कि आखिर बच्चों या कुछ लोगों को बदलते मौसम में क्यों जुकाम हो जाती है? एक्सपर्ट्स का कहना है कि जब मौसम में बदलाव होता है तो तापमान भी बदलता है। ऐसे में हमारे शरीर का तापमान वातावरण से मेल नहीं खाता है और उतार-चढ़ाव के कारण इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है। बच्चों की इम्यूनिटी कम होती है और इस वजह से उन्हें आसानी से कोल्ड कफ हो जाता है। जानें बच्चों को खांसी-जुकाम से कैसे बचाएं?

देसी चीजों की भाप

बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर है और उसे आसानी से सर्दी-खांसी हो जाती है तो इसके लिए भाप के देसी इलाज को अपनाएं। ये तरीका न सिर्फ उनकी चेस्ट को क्लीन करता है बल्कि इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है। एक बर्तन में पानी गर्म करें और इसमें तुलसी, दालचीनी और लौंग जैसी चीजें डालें। इनकी नेचुरल एयर चेस्ट को साफ करती है और जुकाम में राहत भी मिलती है। ये एक तरह का इंफेक्शन होता है जिसे कम करने के लिए तुलसी जैसी देसी चीजें बेहद काम आती हैं।

आयुर्वेदिक पौटली

बच्चा हो या बड़ा। । जिन्हें जुकाम हो गया है, उन्हें आयुर्वेदिक तरीके भी आजमाने चाहिए। बच्चा छोटा है तो सोते समय उसके पास आयुर्वेदिक पौटली बनाकर रख दें। इसके लिए तवे पर दालचीनी, लौंग, अजवाइन और जायफल जैसे मसालों को भूनें। भून लेने के बाद इसमें कपूर के टुकड़े डालें और सूती कपड़े में अच्छे से बांध दें। इस पौटली को सोते हुए बच्चे के पास रख दें। इसकी खुशबू से भी जुकाम में राहत मिलती है।

पान-अजवाइन का नुस्खा

आप चाहे तो अपने बच्चे को पान और अजवाइन का पानी दे सकते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो से तीन पान लें और इसमें एक चम्मच अजवाइन डाल दें। उबाल आने के बाद इसे ठंडा होने दें और बच्चे को कम मात्रा में इसे पिलाएं। इससे न सिर्फ बच्चे की छाती साफ होगी बल्कि पाचन में भी सुधार आता है। जिन बच्चों को पेट की समस्याएं रहती हैं उन्हें अक्सर इसका पानी पिलाना चाहिए।

अदरक, काली मिर्च और शहद

सर्दी-खांसी से बचने का ये बेहतरीन आयुर्वेदिक नुस्खा है। अदरक के कुछ टुकड़ें लें और इन्हें अच्छे से कद्दूकस करके रस निकाल लें। अब इसमें थोड़ी काली मिर्च और एक चम्मच शहद मिलाएं। ये नुस्खा बच्चे की इम्यूनिटी को बूस्ट करेगा क्योंकि अदरक और काली मिर्च में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। काली मिर्च विटामिन सी का बड़ा सोर्स है और ये तत्व हमारी इम्यून सिस्टम को बूस्ट या स्ट्रांग बनाता है।

काजू कतली जाएंगे भूल! इस तरह बनाएं मूंगफली पाक, खाने के बाद सहेली भी पूछेगी रेसिपी

काजू कतली ज्यादातर लोगों की फेवरेट होती है, लेकिन मार्केट में ये काफी महंगे दाम पर मिलती है और मिलावट भी होती है। आप घर पर इसे बनाएंगे तो भी ये काफी महंगी पड़ेगी, लेकिन क्या आपको पता है कि मूंगफली पाक बनाकर खा लिया तो आप काजू कतली या बादाम की बर्फी में फर्क नहीं कर पाएंगे।

हल्की मिठास और सॉफ्ट टेक्सचर की वजह से काजू कतली भारत की सबसे पॉपुलर मिठाइयों में से एक है। इसे बनाने का मुख्य इनग्रेडिएंट है काजू जो इसे खास बनाता है। इसके अलावा इसमें चीनी और देसी घी का यूज होता है, लेकिन महंगे दामों पर खरीदने के बावजूद ये गारंटी नहीं है कि इसे प्योर तरीके से बनाया गया हो। कई बार लोग मैदा की मिलावट कर देते हैं या चीनी बढ़ा देते हैं। काजू कतली आपको भी बहुत पसंद है तो एक बार आप मूंगफली पाक बनाकर देखें। इसे अगर आप खाएंगे तो इसका स्वाद बिल्कुल काजू कतली जैसा ही लगता है।

मूंगफली पाक को बनाना भी बहुत मुश्किल नहीं है और ये बादाम पाक या फिर काजू कतली से काफी सस्ती भी पड़ती है। आप भी इसे एक बार अपने घर पर बनाकर ट्राई कर सकते हैं। ये बच्चों से लेकर बड़ों तक को खूब पसंद आने वाली मिठाई है तो चलिए देख लेते हैं रेसिपी।

क्या चाहिए इनग्रेडिएंट्स?

आधा किलो मूंगफली, 350 से 44 ग्राम चीनी या स्वाद के मुताबिक, चाशनी के लिए 22 एमएल पानी यानी चीनी से आधी मात्रा। थोड़ा सा केसर, आधा किलो खोया (मावा), थोड़ा सा इलायची पाउडर।

जान लें बनाने का तरीका

आपको सबसे पहला काम करना है कि मूंगफली दानों को अच्छी तरह से रोस्ट कर लेना है।

इसके लिए आंच धीमी रखें और लगातार चलाते रहें ताकि कच्चापन निकल जाए और मूंगफली के दाने जले भी नहीं।

रोस्ट किए गए मूंगफली के दाने या तो आप किसी बड़ी थाली में निकाल लें और ठंडा होने के बाद हाथों से मसलकर छिलके हटा दें।

आप मूंगफली को किसी साफ तौलिया में इसे रगड़कर छिलके भी हटा सकते हैं जो इस काम को करने का तेज तरीका है।

छिलकों को छानकर मूंगफली के दाने अलग कर लें और फिर इनको पीसना शुरू करें।

ग्राइंडर में मूंगफली पीसते वक्त इसे पल्स मोड पर चलाएं। बीच-बीच में ढक्कन हटाकर चम्मच से उलटते-पलटते रहें और दानेदार पीस लें। काजू कतली का टेक्सचर चाहिए तो पाउडर बना लें।

एक पैन में चीनी और पानी डालना है। इसे तब तक पकाएं जब तक चीनी पूरी तरह न घुल जाए और ये चिपचिपी हो जाए।

चाशनी में ही आप केसर के धागे भी डाल दें। इससे बर्फी में स्वाद के साथ ही एक बढ़िया अरोमा एड होगा।

एक तार की चाशनी बनकर तैयार हो जाए तो इसमें इलायची पाउडर और खोया को क्रम्बल करके डाल दें।

इसे चलाते हुए पका लें। जब खोया मेल्ट हो जाए तो इसमें 2 चम्मच देसी घी एड करें।

सबसे लास्ट में इसमें डालें मूंगफली का पाउडर। इसे अच्छी तरह कलछी से मिला लें और 3 से 4 मिनट पकाएं।

जब ये मिक्सचर गाढ़ा हो जाए तो एक थाली में घी ग्रीस करके उसमें इसे समतल फैला दें।

तैयार मूंगफली पाक को सेट होने के लिए कम से कम 5 से 6 घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

जब ये मूंगफली पाक अच्छी तरह से सेट हो जाए तो ऊपर से बादाम या फिर काजू लगा दें। इसके बाद बर्फी के आकार में काट लें

जिंक से भरपूर 5 वेजिटेरियन फूड, नहीं पड़ेंगे बार-बार बीमार, कई हैं फायदे

जिंक एक ऐसा मिनरल है जो आपके शरीर में कई चीजों के सुचारू रूप से फंक्शन करने के लिए जरूरी है। जैसे ये इम्यूनिटी सही रखता है, हार्मोनल बैलेंस में अहम रोल प्ले करता है तो वहीं घावों को भरना, सूंघने की क्षमता सही रखने से लेकर डीएनए संश्लेषण के लिए भी जरूरी होता है। ये ज्यादातर नॉनवेज में ज्यादा पाया जाता है, लेकिन कुछ वेज फूड भी इसका अच्छा सोर्स हैं।

जिंक की कमी पूरी करने के लिए आप अपनी डाइट में पंपकिन सीड्स यानी कद्दू के बीजों को शामिल कर सकते हैं। यूएसडीए के मुताबिक, 100 ग्राम कद्दू के बीजों में 10। 3 मिलीग्राम जिंक पाया जाता है। इसके अलावा ये सीड्स आयरने से से लेकर कैल्शियम और कई मिनरल्स समेत प्रोटीन, विटामिन ए, और फैटी एसिड्स का अच्छा सोर्स है।

अगर हम नट्स की बात करें तो बादाम को ज्यादातर लोग इसलिए खाना प्रिफर करते हैं, क्योंकि ये ब्रेन के लिए अच्छा होता है। दरअसल ये ओमेगा 3 रिच है, लेकिन क्या आपको पता है कि इसमें जिंक पाया जाता है। 100 ग्राम बादाम में 3.12 मिलीग्राम जिंक की मात्रा होती है।

वेजिटेरियन में अगर जिंक रिच फूड्स की बात करें तो सोयाबीन भी इसका बेहतरीन सोर्स है। अच्छी बात ये है कि आप सोयाबीन को अलग-अलग तरीकों से कन्ज्यूम कर सकते हैं जैसे इससे बनने वाला टोफू खाया जा सकता है। सोयाबीन मिल्क ले सकते हैं। 100 ग्राम सोयाबीन में 4.89 मिलीग्राम जिंक होता है।

काजू एक ऐसा नट है जिसे कम ही लोग डायरेक्ट अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं। इसे ज्यादातर अलग-अलग डेजर्ट्स या डिशेज में ही यूज किया जाता है। फिलहाल शरीर में जिंक की पूर्ति के लिए आप काजू को डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। 100 ग्राम काजू में 5.78 मिलीग्राम जिंक पाया जाता है। इसके अलावा ये नट आयरन का बेहतरीन सोर्स है। तो वहीं फाइबर और प्रोटीन रिच भी है।

आप अगर नट्स और सीड्स से हटकर जिंक की पूर्ति के लिए अपनी डाइट में कुछ शामिल करना चाहते हैं तो ओट्स खाएं। फाइबर रिच होने की वजह से ब्रेकफास्ट में ओट्स खाना एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है, वहीं ये जिंक का भी सोर्स है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर में दिए डेटा के मुताबिक, 100 ग्राम ओट्स में 3.64 मिलीग्राम जिंक होता है।

जिंक यानी जस्ता अगर आप पौधों से मिलने वाले फूड्स से प्राप्त करते हैं तो इसे शरीर में ऑब्जर्व करना मुश्किल होता है। इसे आसान बनाने के लिए आप जो भी खा रहे हैं जैसे सीड्स, नट्स या बीन्स तो आप या तो उसे भिगोकर रख दें या फिर अंकुरित कर लें और फर्मेंट करना भी अच्छा तरीका होता है।

घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था को बना रहे मजबूत, कर सुधारों ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग, सेवाओं के निर्यात में लचीलापन और लगातार सुधारों के दम पर तेजी से आगे बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन बना हुआ है। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं और निवेश में बढ़ोतरी इस वृद्धि को समर्थन दे रही हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं और बेहतर बुनियादी ढांचा उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में सहायक साबित हुए हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि निजी उपभोग अर्थव्यवस्था की वृद्धि का अहम आधार बना हुआ है। कम महंगाई, कर प्रणाली में सुधार और उपभोक्ता भरोसे में बढ़ोतरी के चलते खुदरा मांग स्थिर बनी हुई है। 2025 के अंत तक उपभोक्ता विश्वास महामारी के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

घरेलू मांग ने वस्तुओं के निर्यात में आई कमजोरी की भरपाई करने में मदद की है। टैरिफ संबंधी व्यवधानों से प्रभावित होकर माल की शिपमेंट में मामूली वृद्धि हुई, लेकिन सेवाओं का निर्यात मजबूत बना रहा और हाल के महीनों में इसमें लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

सूचना प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक सेवाओं के विस्तार से न केवल निर्यात आय बढ़ी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिली है। वहीं, विनिर्माण क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों के नेतृत्व में 2023 से 2025 के बीच विनिर्माण में सालाना 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई।

यूरोपीय संघ और यूनाइटेड किंगडम के साथ संभावित मुक्त व्यापार समझौतों से भारत के व्यापारिक परिदृश्य में और सुधार की उम्मीद है। इन समझौतों के लागू होने पर अधिकांश वस्तुओं पर शुल्क में कमी आएगी और भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। इन सुधारों का सकारात्मक असर आम लोगों पर भी पड़ेगा। कम कीमतों और आय में वृद्धि के जरिए उपभोग में विस्तार होने की संभावना है।

आर्थिक स्थिरता भी भारत की मजबूती का एक प्रमुख कारण रही है। खाद्य कीमतों में कमी के चलते 2025 के दौरान महंगाई दर केंद्रीय बैंक के लक्ष्य के भीतर बनी रही। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों में कटौती से उपभोग और निवेश को बढ़ावा मिला है।

वित्तीय क्षेत्र भी स्थिर बना हुआ है, जहां बैंकों की पूंजी स्थिति मजबूत है और ऋण उपलब्धता में सुधार हुआ है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिल रहा है।

विश्व बैंक ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास, कर सुधारों और वित्तीय क्षेत्र को मजबूत बनाने जैसे संरचनात्मक सुधारों ने भारत की उत्पादकता और निवेशकों के भरोसे को बढ़ाया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों जैसे बाहरी जोखिम बने रहने के बावजूद भारत की मजबूत घरेलू बुनियाद और सुधार की दिशा इसे विकास को बनाए रखने के लिए अच्छी स्थिति में रखती है।

हाल के वर्षों में भारत ने विकास पूर्वानुमानों से लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी दृढ़ता और स्थिर नीतिगत समर्थन को दर्शाता है। दीर्घकाल में, निरंतर सुधार और निवेश इसकी आर्थिक प्रगति को और मजबूत कर सकते हैं।

एलपीजी की सप्लाई सुचारू रूप से जारी, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है : आईओसीएल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने बुधवार को कहा कि पूरे देश में एलपीजी की सप्लाई सुचारू रूप से चल रही है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। साथ ही, घरों के लिए सिलेंडरों की बिना किसी रुकावट के उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे प्रयास किए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आईओसीएल ने ग्राहकों से शांत रहने और बेवजह बुकिंग से बचने की अपील की। कंपनी ने भरोसा दिलाया कि पर्याप्त सिलेंडर आसानी से उपलब्ध हैं और वितरण व्यवस्था भी ठीक से काम कर रही है।

आईओसीएल ने कहा कि एलपीजी की सप्लाई सुचारू है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इंडियन ऑयल हर घर तक सिलेंडर आसानी से पहुंचाने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। कृपया शांत रहें और बेवजह बुकिंग से बचें।

यह भरोसा ऐसे समय में दिया गया है जब सरकार घरेलू और औद्योगिक, दोनों तरह के ग्राहकों के लिए एलपीजी की सप्लाई को बेहतर बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है।

इससे पहले दिन में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि कमर्शियल एलपीजी की सीमा को बढ़ाकर मार्च 2026 से पहले के थोक खपत स्तर का 70 प्रतिशत कर दिया गया है। अब इस बढ़ी हुई सीमा का फायदा कई औद्योगिक क्षेत्रों को मिलेगा, जिनमें फार्मा, खाद्य, पॉलीमर, कृषि, पैकेजिंग, पेंट, स्टील और कांच उद्योग शामिल हैं।

हालांकि, एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह बढ़ी हुई हिस्सेदारी कुल मिलाकर 0.2 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन की क्षेत्रीय सीमा के अधीन होगी। इस हिस्सेदारी के तहत थोक एलपीजी चाहने वाले उद्योगों को तेल मार्केटिंग कंपनियों के साथ पंजीकरण कराने और सिटी गैस वितरण (सीजीडी) संस्थाओं से पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन के लिए आवेदन करने से जुड़ी शर्तों का भी पालन करना होगा।

हालांकि, उन इकाइयों को छूट दी गई है जहां एलपीजी विनिर्माण प्रक्रिया में एक जरूरी कच्चा माल है, या जहां इसका इस्तेमाल किसी ऐसे विशेष काम के लिए होता है जिसकी जगह प्राकृतिक गैस नहीं ले सकती। इस बीच, कमजोर तबकों के लिए भी सप्लाई में बढ़ोतरी हुई है। सरकार ने 5 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडरों की औसत दैनिक सप्लाई को दोगुना कर दिया है; इन सिलेंडरों का इस्तेमाल आम तौर पर प्रवासी मजदूर करते हैं।

फरवरी में जहां औसतन 77,000 सिलेंडर बिकते थे, वहीं अब रोजाना 1.1 लाख से ज्यादा ऐसे सिलेंडर बिक रहे हैं। 23 मार्च से अब तक, पूरे देश में लगभग 8.9 लाख 5 किलोग्राम वाले सिलेंडर बिक चुके हैं।

इसके अलावा, कमर्शियल एलपीजी की उपलब्धता भी मजबूत बनी हुई है। 14 मार्च से अब तक लगभग 93,085 मीट्रिक टन एलपीजी बेची जा चुकी है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 400 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी। पिछले दिन की जबरदस्त तेजी के बाद कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। बाजार में यह गिरावट ईरान द्वारा अमेरिका पर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाने के बाद आई है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में फिर से तेजी आने से निफ्टी50 और सेंसेक्स में गिरावट देखने को मिली।

इस दौरान, बीएसई सेंसेक्स पिछले दिन के बंद 77,562.90 से 243.57 अंक गिरकर 77,319.33 पर खुला, तो वहीं निफ्टी अपने पिछले बंद 23,997.35 से 88.3 अंक गिरकर 23,909.05 पर खुला। हालांकि खबर लिखे जाने तक (सुबह 9.40 बजे के करीब) सेंसेक्स 444.41 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,118.49 पर ट्रेड कर रहा था, जबकि निफ्टी50 101.45 अंक यानी 0.42 प्रतिशत गिरकर 23,895.90 पर था। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में मामूली 0.02 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी मेटल और निफ्टी फार्मा ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा (1.17 प्रतिशत) की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल, निफ्टी बैंक, निफ्टी रियल्टी में भी गिरावट देखने को मिली।

निफ्टी 50 इंडेक्स में इंफोसिस, एलएंडटी, इटरनल, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, एचसीएलटेक, इंडिगो और श्रीराम फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे, जबकि इसके विपरीत हिंडाल्को, मैक्सहेल्थ, एनटीपीसी, बजाज-ऑटो, बीईएल और पावरग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त देखने को मिली।

इस बीच, ब्रेंट क्रूड वायदा में सुबह के समय 3.31 प्रतिशत की तेजी आई और यह 97.89 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड पिछले बंद भाव से 4.2 प्रतिशत बढ़कर 98.38 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस सप्ताह की शुरुआत में युद्धविराम की घोषणा की थी, लेकिन मध्य पूर्व में स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। बुधवार को इजरायल ने लेबनान पर अब तक का सबसे भीषण हमला किया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और ईरान ने जवाबी कार्रवाई की नई धमकी दी, जिससे स्थायी तनाव कम होने की उम्मीदों पर पानी फिर गया और वैश्विक बाजारों में घबराहट बनी रही।

अनिश्चितता को और बढ़ाते हुए ईरान के प्रमुख वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागर कलीबाफ ने संकेत दिया कि अमेरिका के साथ स्थायी शांति समझौते के उद्देश्य से वार्ता जारी रखना अब ,09 अप्रैल ,अनुचित,09 अप्रैल , हो सकता है। इसके विपरीत, व्हाइट हाउस ने कहा कि ईरान के साथ सीधी वार्ता जारी रहेगी।

इस बीच, तेहरान ने इजरायल पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, खाड़ी देशों पर अपने हमले जारी रखे, और सुरक्षित आवागमन के पूर्व आश्वासनों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य काफी हद तक अवरुद्ध रहा। यह वित्तीय बाजारों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि यह जलमार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। वहां किसी भी प्रकार की रुकावट से मुद्रास्फीति की चिंताएं फिर से बढ़ सकती हैं।

अमेरिका के घायल सैनिकों ने उगल दी सच्चाई, कहा-ईरान ने हमें बहुत नुकसान पहुंचाया

तेहरान, एजेंसी। ईरान से सीजफायर होते ही अमेरिकी सैनिकों ने ट्रंप प्रशासन की पोल खोलनी शुरू कर दी है। जंग के दौरान कुवैत बेस पर तैनात सैनिकों ने अमेरिकी मीडिया सीबीएस को एक इंटरव्यू दिया है। इंटरव्यू देने वाले वही सैनिक हैं, जो कुवैत बेस पर हुए हमले में बाल-बाल बच गए थे। मार्च 2026 में कुवैत बेस पर ईरान ने हमला करके अमेरिका के 6 सैनिकों की हत्या कर दी थी। इस हमले को अमेरिका ने कभी भी हार की तरह नहीं स्वीकारा।

सीबीएस को दिए गए इंटरव्यू में सैनिकों ने अपनी हार स्वीकार की है। सैनिकों का कहना है कि इस एयरस्ट्राइक को ईरान ने पूरी योजना के साथ अंजाम दिया था। हम चाहकर भी नहीं बच पाए। ईरानियों की यह बड़ी सफलता थी। हम जंग में

बुरी तरह उस दिन पिट गए थे।

अमेरिकी सैनिकों ने यह इंटरव्यू क्यों दिया?

पीट हेगसेथ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया था कि जो बेस था, वो किलेबंद था। वहां पर एक ड्रोन गलती से पहुंच गया, जिसके कारण कुछ हताहत हुई। ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। हम जांच कर रहे हैं कि कैसे वहां ड्रोन पहुंच गया। घायल सैनिकों ने इसी को लेकर इंटरव्यू दिया है। हालांकि, सैनिकों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

कुवैत के इस बेस पर अमेरिकी सेना के 103वीं सस्टेनमेंट कमांड को तैनात किया गया था। इसके एक जवान ने सीबीएस न्यूज को बताया- हम लोगों को इस हमले की जानकारी बहुत पहले से थी। खुफिया रिपोर्ट में यह कहा गया था कि ईरान इसे निशाना बना सकता है, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया गया।

इस जवान के मुताबिक सुबह उठकर जब हम गोला-बारूद के बारे में डेटा इकट्ठा कर रहे थे, तभी यहां शाहेद ड्रोन से ताबड़तोड़ हमला हो गया। हमला इतना भयावह था कि यहां 6 जवान मौके पर ही मर गए। 20 जवान घायल हो गए। चारों तरफ आग की ऊंची लपटें थीं। यह हमला 1 मार्च को तब हुआ था, जब अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी थी।

किलेबंदी की बात झूठी, सिर्फ टीन-शेड था

एक अन्य सैनिक ने अखबार को बताया- रक्षा मंत्री ने किलेबंदी की जो बात कही है, वो झूठी है। वहां पर एक दीवार जरूर था, जो आमने-सामने की गोलीबारी में काम आ सकता था। हवाई हमले की स्थिति में छिपने के लिए वहां कुछ नहीं था। हम 60 सैनिक वहां पर खुले मैदान में थे।

बटालियन के मुताबिक यह बेस कुवैत के दक्षिणी छोड़ पर स्थित है। जो ईरान की रडार पर शुरू से रहा है। यह बेस अब पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है।

दुनिया के नंबर 1 टिकटॉकर खाबी की पत्नी और 975 मिलियन डॉलर डील पर चर्चा

वॉशिंगटन, एजेंसी। खाबी लेम की TikTok पर मिली शोहरत को लगभग $1 अरब के बिजनेस में बदलने की योजना पर अब नए सिरे से सवाल उठ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि कई बड़ी ब्रोकरेज फर्मों ने इस डील से जुड़े स्टॉक की ट्रेडिंग पर रोक लगा दी है। TikTok स्टार, जिनके इस प्लेटफ़ॉर्म पर 160 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और सोशल मीडिया पर कुल मिलाकर 360 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने जनवरी में घोषणा की कि वे अपनी कंपनी, स्टेप डिस्टिंक्टिव लिमिटेड को, Hong Kong की रिच स्पार्कल होल्डिंग्स को लगभग $975 मिलियन के ऑल-स्टॉक सौदे में बेच देंगे।

यह डील पूरी तरह से स्टॉक के ज़रिए होगी और इसकी कीमत लगभग $97।5 करोड़ होगी। दुनिया की जानी-मानी इंटरनेट हस्तियों में से एक, खाबी लेम को तलाक के विवाद

से जुड़ी रिपोर्टों के बाद अचानक कड़ी जांच का सामना करना पड़ रहा है। खाबी लेम के TikTok पर 160 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

फाइनेंशियल होल्डिंग्स उनके पिता के नाम पर रजिस्टर्ड

Forbes के अनुसार, उनकी लगभग $20 मिलियन की नेट वर्थ है। इतनी नेट वर्थ के साथ लेम आज की क्रिएटर इकॉनमी के बड़े चेहरों में से एक हैं। ऑनलाइन चल रही रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हो सकता है कि उनके पास अपने नाम पर कोई संपत्ति न हो। ऐसे में उनकी प्रॉपर्टी और फाइनेंशियल होल्डिंग्स उनके पिता के नाम पर रजिस्टर्ड हैं। फिलहाल, इन दावों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। सबसे अहम सवाल ये था कि 20 मिलियन डॉलर की संपत्ति वाला कोई शख्स किसी भी चीज का मालिक कैसे नहीं हो सकता?

इन घटनाओं ने लेम की प्राइवेट जिंदगी की ओर भी लोगों का ध्यान खींचा है, जिसे वह आम तौर पर सबसे छिपाकर रखते थे। इस 26 साल के युवक ने नवंबर 2023 में, एक डेनिश-साउथ अफ्रीकी मॉडल, वेंडी थेम्बेलीहले ज्यूल के साथ चुपचाप शादी कर ली थी। दुनिया भर में मशहूर होने के बावजूद, लेम ने अपनी प्राइवेट जिंदगी को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर ही रखा है। इसकी वजह से मौजूदा खबरें और भी ज्यादा चौंकाने वाली लग रही हैं।

पत्नी के चक्कर में गई मंत्री की कुर्सी, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने 15 दिन में ही कैबिनेट से हटाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के नए और युवा प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन अपने सख्त तेवर के लिए जाने जाते हैं। पद संभालने के महज 15 दिनों के अंदर ही पीएम शाह ने अपने एक मंत्री की छुट्टी कर दी है। मंत्री को हटाए जाने की बड़ी वजह उन पर अपनी पत्नी को फायदा पहुंचाने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप था। यह कार्रवाई शाह के पद संभालने के ठीक 15 दिन बाद की गई। साथ ही एक अन्य मंत्री को लापरवाही के लिए चेतावनी दी गई।

प्रधानमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, श्रम, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा मंत्री दीप कुमार साह को सत्तारुढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) की सिफारिश पर उनके पद से हटा दिया गया। इससे पहले RSP के प्रमुख रवि लामिछाने ने पीएम शाह से दीप कुमार साह के खिलाफ कार्रवाई करने की सिफ़ारिश की थी।

लामिछाने ने कहा था कि मंत्री साह ने अपनी पत्नी का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी, उन्हें फिर से स्वास्थ्य बीमा बोर्ड का सदस्य नियुक्त करवाने में अपनी भूमिका निभाई थी। साह पर आरोप है कि उन्होंने अपनी पत्नी का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी, उन्हें स्वास्थ्य बीमा बोर्ड के सदस्य के तौर पर फिर से नियुक्त करवाने में शामिल होकर अपने पद की गरिमा का दुरुपयोग किया। प्रधानमंत्री की प्रेस सलाहकार दीपा दहल ने कल गुरुवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि RSP के केंद्रीय अनुशासन आयोग ने बुधवार को साह को पद से हटाने की सिफारिश सौंपी थी। साह की जगह प्रधानमंत्री ने श्रम मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास ही रखी है।

स्वास्थ्य मंत्री निशा को मिली चेतावनी

वहीं एक अन्य घटनाक्रम में, RSP के प्रमुख रवि लामिछाने ने यह भी सिफारिश की थी कि स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्री निशा मेहता को साह की पत्नी की फिर से नियुक्ति के मामले को गंभीरता से नहीं लेने के मामले में सचेत किया जाए। दीपा दहल ने बताया कि इस सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए, प्रधानमंत्री ने मंत्री मेहता को भी चेतावनी जारी की है।

रैपर से राजनीति में आए बालेंद्र शाह- जिन्हें 'बालेन' के नाम से भी जाना जाता है, उनकी पार्टी RSP पिछले महीने मार्च में हुए चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर नेपाल की सत्ता में आई थी। पिछले साल देश में 'Gen Z' विरोध प्रदर्शनों के बाद यह चुनाव कराए गए थे, जिसमें कई पारंपरिक पार्टियों को बुरी तरह हराते हुए RSP ने जीत हासिल की।

इधर इस्लामाबाद में होगी सीजफायर पर बात, उधर इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर शुरू हो जाएगा मुकदमा

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए बड़ी चिंता बन गया है। शनिवार को इस्लामाबाद में सीजफायर के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू होनी है, वहीं इसके ठीक एक दिन बाद इजराइल में कानून के कैंची नेतन्याहू पर चलने वाली है। नेतन्याहू का क्रिमिनल ट्रायल रविवार को फिर से शुरू होने वाला है। कई हफ्तों तक ईरान के साथ युद्ध की वजह से इजराइल का कोर्ट सिस्टम इमरजेंसी पाबंदियों के तहत काम कर रहा था।

कोर्ट के नोटिस के मुताबिक, अगली सुनवाई रविवार को सुबह 9:30 बजे जेरूसलम डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में बचाव पक्ष के गवाह की गवाही के लिए तय है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि इमरजेंसी हटने और जस्टिस सिस्टम के रेगुलर काम पर

लौटने के साथ, सुनवाई अब अपने आम तरीके से होगी।

युद्ध की वजह से बचे थे नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर इजराइली अदालतों में बड़े भ्रष्टाचार मुकदमे चल रहे हैं, जिसमें तीन अलग-अलग मामले (केस) शामिल हैं। यह मुकदमा 2020 में शुरू हुआ था और अभी भी चल रहा है। नेतन्याहू सभी आरोपों से इनकार करते हैं और इसे राजनीतिक साजिश बताया है। युद्ध (गाजा, लेबनान, ईरान) के कारण कई बार सुनवाई में देरी हुई है, लेकिन अप्रैल 2026 में सुनवाई फिर से नियमित रूप से रिज्यूम हो रही है।

अब्बास अराघची ने किया ट्वीट

नेतन्याहू के क्रिमनल ट्रायल शुरू होने पर ईरान के विदेश मंत्री ने कहा, "नेतन्याहू के क्रिमिनल ट्रायल की समरी Sun में दी गई है। लेबनान समेत पूरे इलाके में सीजफ़ायर होने से उन्हें जेल जाना जल्दी हो जाएगा। अगर अमेरिका नेतन्याहू को डिप्लोमेसी खत्म करने देकर अपनी इकॉनमी को बर्बाद करना चाहता है, तो यह आखिर में उसकी मर्ज़ी होगी। हमें लगता है कि यह बेवकूफी होगी लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं।

कौन से केस में शुरू होंगी सुनवाई?

असल में यह ट्रायल केस 1000, 2000 और 4000 से जुड़े लंबे समय से चल रहे करप्शन केस में नेतन्याहू के क्रॉस-एग्जामिनेशन के बीच में हो रहा है। नेतन्याहू पर 2019 में आरोप लगे थे और उन्होंने सभी गलत कामों से इनकार करते हुए खुद को बेगुनाह बताया था। नेतन्याहू ने दिसंबर 2024 में गवाही देना शुरू किया और क्रिमिनल डिफेंडेंट के तौर पर खड़े होने वाले पहले मौजूदा इजराइली प्रधानमंत्री बन गए और प्रॉसिक्यूटर ने बचाव पक्ष द्वारा महीनों तक सीधे जांच के बाद जून 2025 में उनसे क्रॉस-एग्जामिनेशन शुरू किया।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को हाई कोर्ट से बड़ी राहत, एक हफ्ते के लिए मिली अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। तेलंगाना हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी, रिनिकी भुइयां शर्मा की ओर से दर्ज FIR को लेकर एक हफ्ते की अग्रिम जमानत दे दी है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी लीगल सेल के अशोक गौड़ ने बताया कि हाई कोर्ट ने खेड़ा को संबंधित कोर्ट जाने के लिए 1 हफ्ते का वक्त दिया है।

इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी के खिलाफ लगाए गए कई आरोपों को लेकर दर्ज मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक स्थगित कर दी थी। फिर आज की सुनवाई में हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता को एक हफ्ते के लिए राहत दे दी।

राजनीतिक प्रतिशोध से जुड़ा मामला

कोर्ट में कल गुरुवार को खेड़ा की ओर से ऑनलाइन पेश हुए कांग्रेस नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने अपनी दलील में कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा सरकार की ओर से दर्ज मामले में राजनीतिक प्रतिशोध से जुड़े मामले हैं। हालांकि असम के महाधिवक्ता देवजीत सैकिया ने खेड़ा की याचिका का विरोध किया और दलील देते हुए कहा कि कोई राजनीतिक प्रतिशोध नहीं है और याचिका तेलंगाना हाई कोर्ट में विचारणीय नहीं है। इससे पहले पवन खेड़ा ने 7 अप्रैल को हाई कोर्ट में याचिका दायर की और अपना आवासीय पता हैदराबाद का बताया। साथ ही उन्होंने कोर्ट से यह अनुरोध किया कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, तो जमानत पर रिहा कर दिया जाए। खेड़ा ने अपनी याचिका में गुवाहाटी क्राइम ब्रांच थाने के पुलिस उपायुक्त और तेलंगाना सरकार को प्रतिवादी बनाया।

खेड़ा न कोई अपराधी या कोई भगौड़ा

कोर्ट में सिंघवी ने अपनी दलील के दौरान मुख्यमंत्री सरमा को 'संवैधानिक काउबॉय' करार देते हुए कहा कि जब गुवाहाटी पुलिस ने खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, तब वह हैदराबाद में थे औह र वह अपनी पत्नी के साथ यहीं पर रहते हैं, जो हैदराबाद की ही रहने वाली हैं। उनकी पत्नी तेलंगाना में चुनाव भी लड़ चुकी हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यह मानहानि का दीवानी या फौजदारी मामला हो सकता है, लेकिन असम पुलिस आखिर ऐसी किसी बात के लिए किसी को गिरफ्तार क्यों करना चाहेगी? क्योंकि खेड़ा न तो आदतन किसी तरह के अपराधी हैं और न ही उनके भाग जाने का कोई खतरा है। उन्होंने कहा कि खेड़ा समाज में खास पहचान रखते हैं और एक जाने-माने राजनेता हैं।

खेड़ा ने फर्जी आधार कार्ड बनवाया

असम के महाधिवक्ता (AG) सैकिया ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि शिकायतकर्ता एक महिला (सीएम सरमा की पत्नी) हैं, न कि कोई राजनेता। खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। साथ ही सैकिया ने कांग्रेस नेता की उस याचिका की स्वीकार्यता पर ही आपत्ति जताई थी, जिसमें उन्होंने अग्रिम जमानत की गुहार लगाई थी। उन्होंने आगे कहा, "इस केस में, ऐसा है कि एफआईआर असम में दर्ज हुई। वह (खेड़ा) दिल्ली के स्थायी निवासी हैं। जबकि अभी वह हैदराबाद में हैं और तेलंगाना में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दे रहे हैं; क्या ऐसा करना जायज है या नहीं?" सैकिया ने यह भी आरोप लगाया कि खेड़ा ने अपना फर्जी आधार कार्ड बनवाया और तेलंगाना हाई कोर्ट को भी गुमराह किया। खेड़ा की ओर से दिए गए बयान के बाद उनके खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया था, जिनमें धारा 175 (चुनाव के संबंध में झूठा बयान देना), 35 (शरीर और संपत्ति की निजी सुरक्षा का अधिकार) और 318 (धोखाधड़ी) शामिल हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता ने 5 अप्रैल को यह आरोप लगाया था कि सीएम सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई पासपोर्ट और विदेश में संपत्ति है, जिनका जिक्र मुख्यमंत्री के चुनावी हलफनामे में नहीं किया है।

महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा तेज, विपक्ष बोला– अफवाह, शिवसेना में अंदरूनी असहजता के संकेत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सत्ताधारी शिवसेना में अंदरूनी तौर पर बेचैनी की खबरें सामने आ रही हैं, हालांकि विपक्षी नेताओं ने इसे मात्र अटकलें करार दिया है। हाल के दिनों में ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना (यूबीटी) के कुछ नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो सकते हैं, जिसे 'ऑपरेशन टाइगर' का नाम दिया जा रहा है। विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने इन दावों को निराधार बताते हुए कहा है कि राज्य में निकट भविष्य में किसी बड़े राजनीतिक उलटफेर की संभावना नहीं है।

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि सत्ता में होने के बावजूद शिवसेना में, जिसमें एकनाथ शिंदे और उनके मंत्री जैसे शीर्ष नेता भी शामिल हैं, एक तरह की असहजता दिखाई दे रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिंदे ने हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों से मुलाकात की है और क्या उद्धव ठाकरे की पार्टी का एक हिस्सा सत्ताधारी शिवसेना में शामिल हो सकता है, तो उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए सत्ताधारी गठबंधन के मंत्रियों से मिलना सामान्य है। उन्होंने किसी भी राजनीतिक पुनर्गठन की संभावना से इनकार किया। वडेट्टीवार ने यह भी कहा कि हवा में उड़ रहे सभी दावे जमीनी हकीकत को नहीं दर्शाते।

एनसीपी नेता ने भी बताया कल्पना

एनसीपी (एसपी) के नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने 'ऑपरेशन टाइगर' के अस्तित्व पर ही सवाल उठाया और इसे अटकलबाजी करार दिया। उन्होंने दावा किया कि उद्धव ठाकरे की पार्टी के सभी सांसद एकजुट हैं और अपने नेता का पुरजोर समर्थन करते हैं। देशमुख के अनुसार, इस एकजुटता को देखते हुए निकट भविष्य में किसी बड़े राजनीतिक उथल-पुथल या पार्टी विभाजन की संभावना बहुत कम है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने किया खंडन

हालांकि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जो सत्ताधारी शिवसेना का नेतृत्व करते हैं, ने शुक्रवार को इन रिपोर्टों को बेबुनियाद बताया और कहा कि ऐसी अफवाहों का उद्देश्य केवल सनसनी फैलाना है।

अल्लू अर्जुन ने जन्मदिन पर फैंस को तोहफा दिया, एटली की फिल्म एए22&ए6 का टाइटल राका, पुष्पा स्टार का बाल्ड स्टाइल में शॉकिंग फर्स्ट लुक आउट

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आज यानी 8 अप्रैल को 44 साल के हो गए हैं. आज इस शुभ मौके पर अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड पैन इंडिया एक्शन थ्रिलर फिल्म एए22&ए6 का टाइटल पोस्टर सामने आ चुका है. टाइटल के साथ-साथ अल्लू अर्जुन की शॉकिंग फर्स्ट लुक भी सामने आया है. मेकर्स ने फिल्म का टाइटल पोस्टर को आज अल्लू अर्जुन के बर्थडे पर रिवील करने का ऐलान किया था. फैंस का इंतजार अब खत्म हो चुका है. एटली के निर्देशन में बनी फिल्म को लेकर खूब चर्चा है और अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए यह गिफ्ट किसी बड़ी ट्रीट से कम नहीं है.

फिल्म एए22&ए6 का नाम अब राका है. यानी फिल्म में अल्लू अर्जुन राका के रोल में होंगे. वहीं, फिल्म से आए अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक बहुत ही शॉकिंग है और आज तक स्टाइलिश स्टार को इस अवतार में नहीं देखा गया है. अल्लू अर्जुन का अपने फर्स्ट लुक में हाफ बाल्ड दिख रहे हैं और उनके हाथ किसी दानव की तरह हैं, जिसके नाखून लंबे-लंबे हैं. फिल्म सात भाषा हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, ऊर्दू और बंगाली में भी रिलीज होगी. फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है. अब अल्लू अर्जुन का यह फर्स्ट लुक उनके फैंस को बड़ा शॉक्ड देने वाला है.

अल्लू अर्जुन और फिल्म के डायरेक्टर एटली ने भी इस पोस्टर को सोशल मीडिया पर जारी किया था और इसके कैप्शन में लिखा था, धमाके लिए तैयार रहे, फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी होगा. अब अल्लू अर्जुन और एटली की जोड़ी की साथ में पहली फिल्म ने उनके फैंस के दिलों की धड़कनों को बढ़ा दिया है. अब पुष्पा स्टार के फैंस का दिल बाग-बाग हो चुका है और अब वो इस फिल्म की रिलीज के इंतजार में बैठ चुके हैं.

बता दें, शाहरुख खान के साथ जवान बनाने के बाद से एटली इस फिल्म पर काम कर रहे हैं. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी होंगी. दीपिका इससे पहले एटली के साथ फिल्म जवान में काम कर चुकी हैं. अल्लू अर्जुन के साथ दीपिका की यह पहली फिल्म है. इस फिल्म से दीपिका पादुकोण के स्टंट और एक्शन के कुछ सीन भी पहले ही सामने आ चुके हैं.

कॉकटेल 2 का नया गाना जब तलक हुआ रिलीज, मस्ती में डूबीं रश्मिका मंदाना और कृति सैनन, शाहिद ने भी जमाया रंग

डायरेक्टर होमी अडजानिया की फिल्म कॉकटेल 2 रिलीज की तैयारी कर रही है और 19 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आज बुधवार को मेकर्स ने इसका नया गाना जब तलक रिलीज कर दिया है। इस गाने में शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना अपने डांस से रंग जमा रहे हैं। इस गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से सजाया है और इसे प्रीतम चक्रवर्ती ने कंपोज किया है। लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और इसे होमी अडजानिया ने डायरेक्ट किया है।

कॉकटले 2 की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और बीते दिनों इसकी घोषणा की गई थी। फिल्म कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सैनन ने जमकर डांस किया है। यूनिवर्सल म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर कॉकटेल 2 का रिलीज हो गया है और महज 1 घंटे में ही इसे 1 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने की तैयारी कर रही है। बीते दिनों फिल्म के सेट की तस्वीरें भी सामने आती रही हैं। अब देखना होगा कि क्या ये तिकड़ी बॉक्स ऑफिस पर अपना असर छोड़ने में सफल रहती है या नहीं।

बता दें कि डायरेक्टर होमी अडजानिया ने साल 2012 में फिल्म कॉकटेल बनाई थी। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी ने लीड रोल निभाया था। इसके साथ ही वमन इरानी और डिंपल कपाड़िया ने भी अहम किरादरों में अपनी एक्टिंग का समां बांधा था। कहानी लवट्रांयगल की थी। फिल्म में गौतम कपूर (सैफ अली खान) को विरोनिका (दीपिका पादुकोण) से प्यार है। विरोनिका बोल्ड और बिंदास लड़की है जो अपनी जिंदगी को खुलकर जीती थी। इसके साथ ही इन दोनों की मुलाकात मीरा सेठी (डायना पेंटी) से होती है जो एक एनआरआई से शादी करके विदेश में जाती है। लेकिन उसका पति उसे बीच मंजधार में छोड़ देता है और तीनों की दोस्ती हो जाती है। तीनों की ये दोस्ती अंत में लव ट्रांयगल में फिट हो जाती है और कहानी मजा देने लगता है। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी हिट रही थी। अब देखना होगा कि क्या कॉकटेल 2 भी दर्शकों को अपना दीवाना बना पाती है या नहीं।

चांद मेरा दिल का टीजर जारी, प्यार में पागलपन की कहानी लेकर आए लक्ष्य : अनन्या

अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी की आगामी फिल्म चांद मेरा दिल का टीजर जारी कर दिया गया है। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित और विवेक सोनी द्वारा निर्देशित यह एक म्यूजिकल-रोमांटिक फिल्म है जो रिलीज से पहले ही खूब चर्चा बटोर रही है। लक्ष्य तीसरी बार अपने अभिनय का हुनर दिखाने को तैयार हैं। इससे पहले उन्हें किल और आर्यन खान की सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से चर्चा मिली थी। फिल्म चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

करण जौहर एक बार फिर प्यार, पागलपन और दर्द भरी प्रेम-कहानी के जरिए दर्शकों को लुभाने आए हैं। टीजर की शुरुआत लक्ष्य और अनन्या के रोमांटिक रिश्ते से होती है। बैकग्राउंड में आवाज आती है, प्यार में थोड़ा पागल तो होना ही पड़ता है। हालांकि, जल्द ही एक अप्रत्याशित मोड़ आता है दोनों के रिश्तों में दूरियां आ जाती हैं। कुल मिलाकर फिल्म का टीजर दर्द, तड़प और गहन भावनात्मक रिश्तों पर केंद्रित किया गया है।

इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। गाने में म्यूजिक सचिन -जिगर ने दिया और लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं, जो इस कहानी को और भी इमोशनल बना रहा है। टीजर में खूबसूरत लोकेशन्स और मंदिर के कुछ सीन्स भी दिखाए गए हैं, जिससे उनकी लव स्टोरी में अलग टच देखने को मिल रहा है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com